

देव उठनी एकादशी (तुलसी विवाह) की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविंद।
उत्तिष्ठ गरूड़ध्वजा।।
उत्तिष्ठ कमलाकांत।
त्रैलोक्यं मंगलं कुरू।।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष -17, अंक - 33 | कार्तिक शुक्ल एकादशी विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार दिनांक 20 से 26 नवम्बर 2026 | पृष्ठ - 08, मूल्य -3/-

14 दिन जेल में रहेगा सौरभ चंद्राकर

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को आज रायपुर के पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। जांच एजेंसी ईडी ने दोबारा रिमांड नहीं मांगी। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। सौरभ चंद्राकर 2 दिसंबर तक जेल में रहेगा।

पीएम स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को मिलेंगे चार राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर (दिव्य आकाश)।

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को चार पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 'स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स-2026' के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ ही तीन नगरीय निकायों बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा का चयन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए किया गया है। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल 20 नवम्बर को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में ये पुरस्कार प्रदान करेंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के नेतृत्व में राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा संबंधित निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की टीम ये पुरस्कार ग्रहण करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय प्रशासन विभाग और तीनों नगरीय निकायों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को चार राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना गौरव और प्रसन्नता का विषय है। राज्य के साथ बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन नगरीय निकायों के बेहतर कार्यों और पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना से छोटे व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर मिल रहे हैं। यह सम्मान हमारे नगरीय निकायों को पथ विक्रेताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रतिबद्धता से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय, इंडस्ट्री डायलॉग में 1.07 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति और निवेश अनुकूल वातावरण के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग चैप्टर-3 में प्रदेश को 24 उद्योग समूहों के माध्यम से 1 लाख 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश के लगभग 20 हजार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में निवेशक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे और प्रदेश में निवेश के प्रति उनके विश्वास का स्वागत किया। उन्होंने उद्योगपतियों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव सुने तथा उद्योग स्थापना से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन, बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त बिजली-पानी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच का भी लाभ मिलता है। हमारी सरकार इन विशेषताओं को बड़े औद्योगिक निवेश, स्थानीय रोजगार और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

चित्रकोट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य बनाने की तैयारी

मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन आधारित निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और जैव विविधता पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके साथ बस्तर के अन्य पर्यटन स्थलों को जोड़कर समग्र पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रयास है। इससे होटल, होम-स्टे, परिवहन, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में निवेश तथा स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।



निवेश प्रस्तावों से आगे बढ़कर धरातल पर उतर रही औद्योगिक परियोजनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति और देश-विदेश में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग डेढ़-दो वर्षों में प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि निवेश प्रस्ताव अब वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं का स्वरूप ले रहे हैं।

नई औद्योगिक नीति से निवेशकों का विश्वास हुआ मजबूत

उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने नई औद्योगिक विकास नीति, निवेशकों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन और प्रक्रियाओं के सरलीकरण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उद्योग विभाग निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में परिवर्तित करने तथा निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्वी क्षेत्र के चेयरमैन एवं आरडीबी ग्रुप के चेयरमैन विनोद दुग्गड़ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग विभाग के संचालक प्रभात मलिक, सुखदेव नाहर, सतीश पारख, बजरंग गोयल सहित देशभर से आए उद्योगपति और निवेशक उपस्थित थे।

कुम्हारी में छत्तीसगढ़ का पहला 7 मंजिला बर्ड टॉवर

80 फीट ऊंची मीनार में 768 घोंसले, 2 हजार पक्षियों के रहने की व्यवस्था

दुर्ग-भिलाई (एजेंसी)। दुर्ग जिले के कुम्हारी के पास परसदा खार में करीब 80 फीट ऊंचा बर्ड टॉवर बनाया गया है। इसमें 768 घोंसले हैं। यहां करीब 1500 से 2000 पक्षियों के रहने की व्यवस्था है। करीब 10 लाख रुपए की लागत से तैयार इस टॉवर का उद्घाटन मंगलवार को राज्यपाल रमेन डेका ने किया। इसे छत्तीसगढ़ का पहला बहुमंजिला पक्षी घर बताया जा रहा है। सुल्तानियां परिवार ने पक्षियों को सुरक्षित ठिकाना देने के लिए यह पहल की है। यह मीनार किसी धार्मिक स्थल की तरह नहीं, बल्कि हजारों पक्षियों का आशियाना है। टॉवर के नीचे पक्षियों के लिए दाना-पानी रखा जाता है।

छत्तीसगढ़ में 4 आईएएसअफसरों को प्रमोशन

सुबोध सिंह-निहारिका बारिक अपर मुख्य सचिव बने, रोहित यादव और कमलप्रीत सिंह प्रमुख सचिव बनाए गए

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने 4 आईएएस अधिकारियों को प्रमोशन दिया है। 1997 बैच के सुबोध कुमार सिंह और निहारिका बारिक को अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। वहीं, 2002 बैच के डॉ. रोहित यादव और डॉ. कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में दो अलग-अलग आदेश जारी किए हैं।

दोनों पदों के लिए तय की गई थीं दो-दो रिक्तियां

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के मुताबिक, केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने 13 अक्टूबर 2026 को पत्र जारी कर अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव के पद पर प्रमोशन के लिए दो-दो रिक्तियां तय की थीं। इसी आधार पर चारों अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है।

समस्त जिलेवासियों को देवउठनी एकादशी (तुलसी विवाह) की अनंत शुभकामनाएं...।

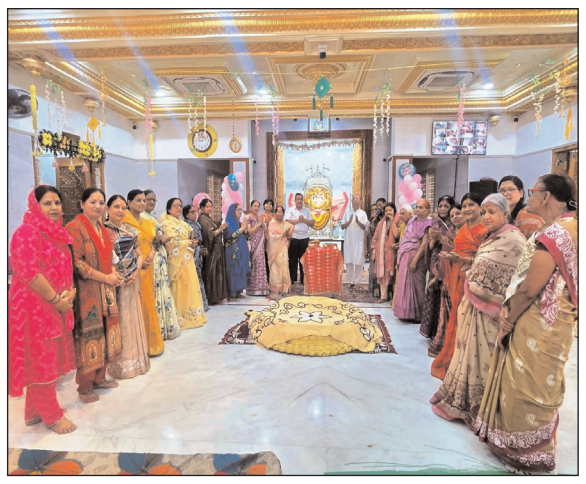


शुभ-आरंभ





श्री सप्तदेव मंदिर में आँवला नवमी उत्सव, माँ श्री राणी सती दादी का जन्मोत्सव एवं संगीतमय मंगलपाठ श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न



कोरबा (दिव्य आकाश)।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी, दिनांक 18 नवंबर 2026, बुधवार को श्री सप्तदेव मंदिर महिला मंडल समिति एवं छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल महिला मंडल समिति के द्वारा श्री सप्तदेव मंदिर में आँवला नवमी का पावन उत्सव बड़े ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्यों ने आँवले के वृक्ष के नीचे प्रात: विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा ब्राहणों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विदित ही है कि आँवला नवमी का दिन माँ श्री राणी सती दादी का जन्म हुआ था। अत: इसी परंपरा के अनुरूप मंदिर परिसर में दादीजी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल समिति की सदस्यों ने कोलकोता से पधारे धर्मपरायण प्रदीप टिबडेवाल एवं मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी जी की गरिमामयी उपस्थिति में केक काटकर माँ श्री राणी सती दादी का जन्मोत्सव मनाया तथा उपस्थित समस्त दादी भक्तों का मुँह मीठा कराया।

कार्यक्रम के अंतर्गत सायं 3.00 बजे से शुभम गोयल एंड पार्टी, कोरबा द्वारा माँ श्री राणी सती दादी का संगीतमय मंगलपाठ प्रस्तुत किया गया, जो सायं 6.00 बजे तक चला। शुभम गोयल के द्वारा प्रस्तुत संगीतमय मंगलपाठ का सभी दादी भक्तों ने आनंद लिया। इसके पश्चात सायं 6.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर श्रीमती श्यामा टिबडेवाल, विद्या अग्रवाल, प्रेमा अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, किरण मोदी, प्रीति मोदी, राजा ामेदी, सरला मित्तल, विधि अग्रवाल एवं सोनू अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति थी।

अशोक मोदी ने उपस्थित समस्त दादी भक्तों एवं नगरवासियों को आँवला नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करते हुए माँ श्री राणी सती दादी से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' को लेकर कोरबा जिले में ऑरेंज अलर्ट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट अनुसार 20 एवं 21 नवंबर को कोरबा जिले में हल्की से मध्यम तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा और तेज हवा चलने की प्रबल संभावना है। मौसम की इस स्थिति को देखते हुए प्रभारी कलेक्टर प्रतीक जैन ने सभी विभागों के अधिकारियों को सतर्क रहने और आपदा से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी कलेक्टर ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव की व्यवस्था पहले से तैयार रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संभावित जलभराव, नदी-नालों में बढ़ते जलस्तर, तेज हवा और पेड़ अथवा बिजली के तार गिरने जैसी परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जाए।

जनपद पंचायतों और राजस्व अमले को अलर्ट रहने के निर्देश

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि 20 एवं 21 नवंबर को पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और कोटवार अपने-अपने पंचायत मुख्यालयों में उपस्थित रहें। कोटवारों के माध्यम से गांवों में मुनादी कराकर लोगों को जर्जर मकानों, पेड़ों, बिजली के खंभों और तारों से दूर रहने की सूचना दी जाए। पंचायत भवनों और सुरक्षित स्कूल भवनों को जरूरत पड़ने पर राहत केंद्र के रूप में उपयोग के लिए तैयार रखा जाए तथा नालियों की सफाई कराई जाए। जर्जर कच्चे मकानों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और तहसीलदारों को नदी-नालों के तटीय तथा निचले इलाकों में संभावित निकासी और राहत व्यवस्था की समीक्षा तत्काल करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत केंद्रों में भोजन, पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था रखी जाएगी। महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को राहत पहुंचाने में प्राथमिकता दी जाएगी। पटवारियों को अपने हल्के में उपस्थित रहने तथा किसी भी क्षति की स्थिति में राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रकरण तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

धान खरीदी केंद्रों और किसानों के लिए जरूरी व्यवस्था

खाद्य, विपणन और सहकारिता विभाग को धान उपार्जन केंद्रों में खुले में रखे धान को चबूतरों पर व्यवस्थित रखने और कैप कवर अथवा तिरपाल से पूरी तरह ढंकने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रों में पानी की निकासी की व्यवस्था की जाएगी और धान का उठाव तेज किया जाएगा। किसानों को भी सूचना दी जाएगी कि वे उपार्जन केंद्र में धान लाते समय उसे अच्छी तरह ढंककर लाएं। कृषि विभाग किसानों को कटी हुई फसल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर रखने की सलाह देगा। निचले क्षेत्रों में रखे पशुधन को भी सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

बिजली, सड़क और जलाशयों की निगरानी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी (सीएसपीडीसीएल) को जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार समय रहते बिजली आपूर्ति अलग करने, बिजली लाइनों के पास की शाखाओं की छंटाई करने और आपातकालीन मरम्मत दल तैनात रखने को कहा गया है। अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और राहत केंद्रों की बिजली प्राथमिकता से बहाल की जाएगी।

लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को जेसीबी तथा पेड़ काटने के कटर तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। रपटों और पुलियों पर चेतावनी बोर्ड एवं बेरिकेडिंग लगाई जाएगी। जर्जर शासकीय भवनों का त्वरित निरीक्षण कर असुरक्षित भवनों को खाली कराया जाएगा।

जल संसाधन विभाग बांगो बांध, दर्री बराज और अन्य जलाशयों में आवक की लगातार निगरानी करेगा तथा आवश्यकता के अनुसार नियंत्रित डिस्चार्ज सुनिश्चित करेगा। जलाशयों के गेट खोलने से पर्याप्त समय पहले नियंत्रण कक्ष, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और डाउनस्ट्रीम गांवों को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य, नगरीय निकाय और राहत-बचाव दल तैयार

स्वास्थ्य विभाग को एंटी-स्नेक वेनम, ओआरएस और जल-जनित रोगों से बचाव की दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने तथा 108 और 102 एम्बुलेंस सहित मेडिकल टीमों को मुस्तैद रखने के निर्देश दिए गए हैं। निचले इलाकों में प्रसव की संभावित तिथि वाली गर्भवती महिलाओं को समय रहते स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

नगर निगम और नगर पालिकाओं को नालों की तत्काल सफाई, डी-वॉटरिंग पंपों की तैनाती, खतरनाक पेड़ों की छंटाई और असुरक्षित होर्डिंग हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वार्डवार मुनादी कराकर नागरिकों को सतर्क किया जाएगा। पुलिस, होमगार्ड और एसडीआरएफ को अलर्ट पर रहने, नाव, लाइफ जैकेट और गोताखोर तैयार रखने तथा उफनते रपटों और पुलों पर आवागमन रोकने के लिए कहा गया है।

शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को जर्जर स्कूल कक्षों और आंगनबाड़ी भवनों का उपयोग नहीं करने तथा राहत केंद्र के रूप में चिन्हित स्कूलों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर अवकाश का प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राहत केंद्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा और ब्लीचिंग पाउडर एवं क्लोरीन का पर्याप्त स्टॉक रखेगा। वन विभाग सड़कों और बिजली लाइनों के पास स्थित कमजोर पेड़ों की छंटाई करेगा।

पर्यावरण संरक्षण मंडल, एसईसीएल, एनटीपीसी और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी (सीएसपीजीसीएल) को राखड़ बांधों और ओवरबर्डन डंपों की सतत निगरानी करने तथा खदानों में डी-वॉटरिंग पंप चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

प्रभारी कलेक्टर प्रतीक जैन ने नागरिकों से अपील की है कि मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान दें और नदी-नालों, रपटों तथा जलभराव वाले मार्गों से आवागमन न करें। तेज हवा और वर्षा के दौरान जर्जर मकानों, पेड़ों, बिजली के खंभों तथा तारों के पास न रुकें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना दें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

मोदी सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं और विष्णुदेव सरकार के फैसलों से अन्नदाताओं को मिल रहा आर्थिक संबल : रजनीश सिंह

कोरबा (दिव्य आकाश)।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक एवं लाभकारी बनाने और अन्नदाताओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए संचालित योजनाओं तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लिए जा रहे किसान हितैषी निर्णयों को लेकर गुरुवार, 19 नवंबर को कोरबा के टी.पी. नगर स्थित तिलक भवन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बिलासपुर के अध्यक्ष रजनीश सिंह के मुख्य वक्तव्य में आयोजित इस प्रेस वार्ता में प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर संजूदेवी राजपूत, प्रदेश मंत्री रितु चौरसिया, जिला महामंत्री अजय विश्वकर्मा एवं एमआईसी मेंबर नरेंद्र देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रजनीश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) जैसी योजनाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र को नई दिशा दी है। वहीं, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इन योजनाओं के साथ राज्य की परिस्थितियों और किसानों की जरूरतों के अनुरूप महत्वपूर्ण निर्णय लेकर अन्नदाताओं को अतिरिक्त आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, खेती की लागत में राहत, फसलों का उचित मूल्य और कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को बढ़ावा देना है।

कृषक उन्नति योजना में बड़ा निर्णय, प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता

श्री सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को बड़ी राहत देते हुए प्रति एकड़ 13,839 रुपये की समान आदान सहायता राशि देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पूर्व में किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी कर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और निर्धारित दर के अंतर की राशि दी जाती रही है।

फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, अन्य फसल लेने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़

रजनीश सिंह ने बताया कि सरकार केवल धान की खेती तक सीमित न रहकर किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर भी प्रोत्साहित कर रही है। धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों के लिए प्रोत्साहन राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इस घटक में अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया है।

इसी तरह दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास जैसी फसलों की खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया गया है। इस श्रेणी में अब तक 4 लाख 26 हजार 185 किसानों ने 2 लाख 6 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया है।

योजना की उपलब्धियां बताते हुए उन्होंने कहा कि खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कुल 35,904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसमें खरीफ 2023 में 13,289 करोड़, खरीफ 2024 में 11,976 करोड़ तथा खरीफ 2025 में 10,639 करोड़ रुपये शामिल हैं।

गन्ना उत्पादक किसानों को 425 रुपये से अधिक तक का भुगतान

रजनीश सिंह ने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों के हित में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए श्री सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने गन्ने का उपार्जन मूल्य 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) और राज्य शासन के घोषित उपार्जन मूल्य के अंतर की राशि गन्ना प्रोत्साहन राशि के रूप में किसानों को दी जा रही है। प्रदेश के चार शक्कर कारखानों से संबद्ध किसानों को शक्कर रिकवरी के आधार पर अलग-अलग दरों से भुगतान किया जा रहा है। कवर्धा शक्कर कारखाने से जुड़े किसानों को 488.67 रुपये, पण्डरिया के किसानों को 455.10 रुपये, बालोद के किसानों को 432.62 रुपये तथा सूरजपुर के किसानों को 425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है।

पीएम-आशा योजना से दलहन-तिलहन किसानों को एमएसपी का संरक्षण

श्री सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के माध्यम से दलहन एवं तिलहन उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज बेचने का अवसर मिल रहा है। इसके तहत खरीफ मौसम में अरहर, सोयाबीन, उड़द, मूंग एवं मूंगफली तथा रबी मौसम में चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन किया जाता है।

वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्र अधिसूचित किए गए थे। इन केंद्रों के माध्यम से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर एवं सरसों की कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल खरीदी की गई और किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसमें सर्वाधिक 3 लाख 54 हजार 127 क्विंटल चने का उपार्जन 24,257 किसानों से किया गया, जिसके एवज में 207.59 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम-आशा योजना और राज्य सरकार की उपार्जन व्यवस्था मिलकर दलहन एवं तिलहन उत्पादक किसानों को बाजार में उचित मूल्य दिलाने की दिशा में काम कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा रामनारायण सराफ, बी.डी. शर्मा, नीरज ठाकुर, संजय राठौर व अमित स्वर्णकार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित

गुरुवार को कुल 5756 क्विंटल धान की हुई खरीदी

शुक्रवार को 32 समितियों में किसानों से 192.44 मेट्रिक धान उपार्जन हेतु 67 टोकन जारी

कोरबा (दिव्य आकाश)। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित है। जिले के 60 सहकारी समितियों के 73 धान उपार्जन केन्द्रो में माध्यम से किसानों से धान उपार्जन किया जाएगा। जिला खाद्य अधिकारी जी एस कंवर ने बताया कि 19 नवम्बर को जिले में कुल 5756 क्विंटल धान की खरीदी की गई। 20 नवम्बर शुक्रवार के लिए जिले के 32 समितियों में कुल 192.44 मेट्रिक टन धान उपार्जन हेतु 67 टोकन जारी हुए है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सहूलियत हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। धान विक्रय हेतु आए किसानों ने पारदर्शी एवं त्वरित धान प्रकिया के प्रति संतोष व्यक्त किया है।

इंदिरा गांधी के दृढ़ नेतृत्व, साहसिक निर्णयों और अनुशासन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता - जयसिंह



कोरबा (दिव्य आकाश)।

देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की 109वीं जयंती के अवसर पर आज पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण किया।

इस अवसर पर जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी का संपूर्ण जीवन साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्हें 'आयरन लेडी' के रूप में जाना जाता है। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने निर्णयों पर दृढ़ रहती थीं और चुनौतियों का सामना पूरे आत्मविश्वास एवं संकल्प के साथ करती थीं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि इंदिरा जी का जीवन हमें सिखाता है कि सार्वजनिक जीवन में अनुशासन, स्पष्ट विचारधारा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने देश की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए तथा अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान को नई मजबूती प्रदान की। उनका नेतृत्व, संघर्षशीलता और देश के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि आज आवश्यकता है कि हम इंदिरा गांधी जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके साहस, अनुशासन, दूरदर्शिता और जनसेवा के संकल्प को अपने आचरण में आत्मसात करें। उनके आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने भी स्व. इंदिरा गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके विचारों एवं योगदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष मुकेश कुमार राठौर, पूर्व जिला अध्यक्ष सपना चौहान, नत्थूलाल यादव, पार्षद कृपाराम साहू, नारायण लाल कुर्रे, रवि सिंह चंदेल, ब्लॉक प्रमुख ए.डी. जोशी, वरिष्ठ महिला कांग्रेस नेत्री श्रीमती रेखा त्रिपाठी ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, बसंत चंद्रा, जिलापदाधिकारी संतोष यादव, सुभद्रा सिंह, हिमांशु सिंह, मंडल अध्यक्ष सुरती कुलदीप, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, एफ डी मानिकपुरी, मस्तुल कंवर, इकबाल कुरैशी, जवाहर निर्मलकर, डॉ. रामगोपाल कुर्रे, डॉ.रामगोपाल यादव, पार्षद गीता गभेल, डॉ.डी आर नेताम, आनंद पालीवाल, कुंजबिहारी साहू, सुरेश पटेल, प्रमोद श्रीवास, धनंजय चंद्रा, आंगन बाई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाराद्वार एल्डरमैन और प्रिंसिपल सहित 6 लोग जुआ खेलते पकड़ाए:कोरबा के पहाड़गांव में पिकनिक मनाने की आड़ में लगा था जुआ फड़

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़गांव में पुलिस ने जुआ खेलते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी जांजगीर-चांपा जिले के बाराद्वार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिकनिक मनाने की आड़ में कोरबा जिले में जुआ खेल रहे थे।

मौके से करीब 11 हजार रुपए नकद, मोबाइल और ताश के पत्ते जब्त किए गए हैं। पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत मामला दर्ज किया है।

उप निरीक्षक की रिपोर्ट पर दर्ज हुआ मामला

थाना उरगा में दर्ज दस्तावेज के अनुसार, ग्राम पहाड़गांव में दोपहर 2:20 बजे यह कार्रवाई की गई। शासन की ओर से उप निरीक्षक नवीन पटेल की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 641/2026 पंजीबद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक उर्फ गज्जू ठाकुर (46), पिता महावीर; शशिकांत दुबे (56), पिता आरएन दुबे; ज्योतिष वैष्णव (51), पिता बलराम; रविंद्र खाण्डे (26), पिता त्रिभुवन; दीपक कुमार बंसल (26), पिता बबलू मिश्रा और आशुतोष राय (33), पिता राम इकबाल शामिल हैं।

एल्डरमैन और शिक्षक का नाम भी शामिल

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार रविंद्र खाण्डे बाराद्वार नगर पालिका में एल्डरमैन हैं और जिला युवा मोर्चा में पदाधिकारी भी बताए जा रहे हैं। वहीं, आरोपी शशिकांत दुबे पेशे से शिक्षक और प्रिंसिपल बताए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधि और शिक्षक के जुआ खेलते पकड़े जाने की खबर के बाद क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है।

पसान में भी पकड़े गए थे सरपंच और शिक्षक

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पसान थाना पुलिस ने भी जुआ खेलते हुए एक सरपंच और एक शिक्षक को गिरफ्तार किया था। जिले में जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों के जुआ खेलने के मामलों में नाम सामने आने से इस वर्ग की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल उरगा पुलिस ने सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पत्रकार स्व. हरिराम चौरसिया के परिजनों को शांति देवी मेमोरियल की ओर से जयसिंह अग्रवाल ने प्रदान की 25 हजार की आर्थिक सहायता

कोरबा (दिव्य आकाश)।



वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय हरिराम चौरसिया के निधन पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल आज उनके निवास साडा कॉलोनी, बालकोनगर पहुंचे। यहां उन्होंने स्व. चौरसिया के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने उनके पूज्य पिताजी एवं अन्य परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का संबल दिया।

इस अवसर पर जयसिंह अग्रवाल ने शांति देवी मेमोरियल की ओर से स्व. हरिराम चौरसिया के परिजनों को 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि नकद प्रदान की। उल्लेखनीय है कि अग्रवाल ने पूर्व में प्रेस क्लब में यह घोषणा की थी कि किसी भी पत्रकार के निधन की स्थिति में शांति देवी मेमोरियल की ओर से उनके परिजनों को 25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसी घोषणा के अनुरूप यह सहायता राशि प्रदान की गई।

अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को सामने लाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पत्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज और आम जनता की आवाज बनते हैं। स्व. हरिराम चौरसिया जी का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक दुखद क्षति है। उनके योगदान और स्मृतियां सदैव याद की जाती रहेंगी। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दु:ख की इस घड़ी में वे और शांति देवी मेमोरियल परिवार के साथ खड़े हैं। आर्थिक सहायता का यह छोटा सा प्रयास दिवंगत पत्रकार के परिवार के प्रति सम्मान, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का प्रतीक है।

इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव दिनेश राज, सहसचिव हरीश तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य राजेश मिश्रा, नईदुनिया के ब्यूरो प्रमुख देवेंद्र गुप्ता, बालकोनगर ब्लॉक अध्यक्ष ए.डी. जोशी एवं नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू उपस्थित रहे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

चार दिवसीय छठ महापर्व में घाटों पर दिखा दिव्यता और श्रद्धा का संगम : सूर्य उपासना का महा अनुष्ठान संपन्न, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने किया पारण

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कार्तिक शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार दिनांक 20 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026





छठ महापर्व संपन्न

भगवान भुवन भास्कर

अपने सत्व प्रकाश से
घर-घर फैलाएं समृद्धि का प्रकाश
दें सबको निरोगी काया

सूर्य सप्तमी का उजासः उगते सूरज को लाखों हाथों ने दिया अर्घ्य, लोकमंगल की कामना के साथ चार दिवसीय छठ पूजा सम्पन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा। कार्तिक शुक्ल सप्तमी (सूर्य सप्तमी) विक्रम संवत् 2083, 16 नवम्बर सोमवार को अलसुबह कोरबा के छठ घाटों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। चारों तरफ सूर्य सप्तमी का उजास दिखाई दे रहा था। घाट दीपावली सा जगमगा रहा था। सुबह 6.30 बजे पूर्वांचलवासी और व्रती आसमान की ओर टकटकी लगाए सूर्य की पहली किरण का इंतजार कर रहे थे और कुछ मिनट बाद आसमान चमका, लेकिन बदली होने के कारण सूर्य की स्पष्ट किरण नहीं निकली और 6 बजकर 40 मिनट में आसमान की लालिमा छटा के साथ हजारों लाखों हाथ एकसाथ पानी के बीच में पूर्वांचलवासी सूर्य को अर्घ्य दिया और लोकमंगल की कामना के साथ भुवन भास्कर को प्रणाम किया और प्राथना की- हे ईश्वर! पूरे विश्व में आपके सत्व प्रकाश से सुख-समृद्धि और सद्भाव फैले और कोरबा विकास के नए आयाम को स्पर्श करे। घर-घर आपके प्रकाश से समृद्धि और खुशहाली का उजास फैले। सभी को निरोगी काया देना। परिवार को सुख-समृद्धि के साथ नवसंतानों को संस्कारी और राष्ट्रप्रेमी बनाना। हे छठी मैय्या सबका कल्याण करना।

आज उगते सूरज को पूर्वांचलवासी, व्रती सहित कोरबावासी सूर्य सप्तमी का अर्घ्य दिया और चार दिवसीय छठ पूजा सम्पन्न किया। भगवान भुवन भास्कर की पहली किरण के साथ कोरबा के बेलगरीनाला, हसदेव घाट, रानी रोड, सीतामढ़ी, राताखार, तुलसीनगर, गेरवाघाट, मानिकपुर, पोड़ीबहार, बालको, दर्री, जमनीपाली, कटघोरा, पोड़ी-उपरोड़ा, पाली, दीपका, कुसमुण्डा, गेवरा, हरदीबाजार, छुरीकला की नदियों, तालाबों, पोखरियों में लाखों की संख्या में छठ व्रती, पूर्वांचलवासियों सहित कोरबा का हर वर्ग छठ घाट पहुंचे और उगते सूरज को अर्घ्य दिया। अर्घ्य देने के साथ पूर्वांचल समितियों के वरिष्ठजन घाटों में उपस्थित लोगों को प्रसाद का वितरण किया। यहां उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को छठ पूजा की बधाई दी और मंगलकामनाओं के साथ छठी मैय्या को नमन किया और अपने-अपने घर को प्रस्थान किया।

दीपावली सा जगमगाया छठ घाट



सूर्योदय से पूर्व धूंधली रात में छठ घाटों में हजारों दीये जगमगा रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो छठ घाट में दिवाली मनाई जा रही है। छठ मैय्या के स्वागत में व्रती और पूर्वांचलवासी जीवन में प्रकाश रूपी दीये जलाए थे, जो धूंधली रात में अंधेरे को चीर कर चारों तरफ समृद्धि का प्रकाश फैला रहे थे। पूर्वांचलवासी छठी मैय्या का दीप जलाकर अभिनंदन कर रहे थे।

अरविन्द शर्मा ने सपरिवार हसदेव घाट में की छठ पूजाः दी शुभकामनाएं...







कोरबा के प्रख्यात समाजसेवी एवं पूर्वांचल सर्व समाज के सचिव, भूमिहार ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष लायन अरविन्द शर्मा ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्य षष्ठी को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और सूर्य सप्तमी को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर नमन किया। अरविन्द शर्मा ने कोरबावासियों सहित सभी पूर्वांचलवासियों, व्रतियों को छठ पूजा की बधाई दी और छठ मैय्या को जल अर्पण कर कोरबा की प्रगति, कोरबा का सद्भाव, उन्नति के लिए आशीर्वाद मांगा और अपने शुभकामना संदेश में कहा-छठी मैय्या घर-घर विराजमान हों और सबके घर में खुशहाली, समृद्धि लाए। हर मनुष्य से कलुषित विचार का हरण कर सबको सद्भाव और सद्विचार से आबाद करे।

कनक मंदिर ज्वेलर्स परिवार ने की छठ मैय्या की उपासना

कोरबा का प्रसिद्ध आभूषण विक्रेता कनक मंदिर ज्वेलर्स परिवार ने भी घर में छठ पूजा की पूरी आध्यात्मिक क्रिया पूर्ण की। शंकर सोनी ने सपरिवार छठी मैय्या की पूजा की और सूर्य षष्ठी पर डूबते सूरज को अर्घ्य दिया और सूर्य सप्तमी को उगते सूरज को जल अर्पण कर परिवार तथा सर्वमंगल के लिए माँ से आशीर्वाद मांगा। छठी मैय्या सभी की मनोकामना पूर्ण करें, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ शंकर सोनी ने कनक मंदिर ज्वेलर्स परिवार की ओर से जिलेवासियों को छठ पूजा की बधाई दी।

हे छठ मैय्या! सभी को आरोग्य देना, पंचकर्म चिकित्सालय परिवार ने सूर्य सप्तमी पर दिया अर्घ्य

पंचकर्म चिकित्सालय परिवार ने दी बधाई

पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ एवं आयुर्वेद सदन-पंचकर्म चिकित्सालय टी पी नगर कोरबा की डायरेक्टर डॉ. मनीषा सिंह ने परिवार सहित छत पर बनी टंकी में ही चार दिवसीय छठ पूजा सम्पन्न किया। सूर्य षष्ठी को अस्ताचलगामी सूर्य को परिवार सहित अर्घ्य दिया और छठ पूजा के अंतिम दिन सूर्य सप्तमी को उगते सूरज को अर्घ्य दिया। डॉ. मनीषा सिंह ने कोरबावासियों की मंगलकामनाओं के लिए छठी मैय्या से आशीर्वाद मांगा और कहा कि कोरबा का सर्वमंगल हो। छठी मैय्या सभी को आयुष प्रदान करें, सभी स्वस्थ हों, निरोगी हों और सभी का जीवन खुशहाली और समृद्धि से परिपूर्ण हों।

छठ घाट जाकर दिग्गजों ने दी बधाई

चंद्रमा सिंह-संजूदेवी राजपूत परिवार ने दिया अर्घ्य

महापौर ने परिवार सहित हसदेव नदी में अर्घ्य दिया और मंगलकामनाओं के साथ प्रार्थना की।

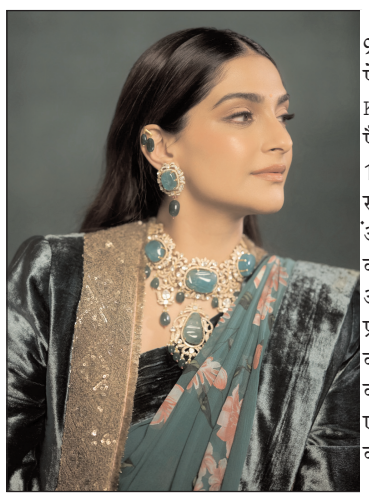
सूर्य सप्तमी पर कोरबा के वरिष्ठ नेताओं, समाजसेवियों, पूर्वांचल समिति के वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर पूर्वांचलवासियों को, व्रतियों को, उपस्थितजनों को छठ पूजा की बधाई दी। मंत्री लखनलाल देवांगन, पूर्वमंत्री जयसिंह अग्रवाल, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी, एमआईसी मेंबर अशोक चावलानी, प्रशांत मिश्रा, पत्रकार कमल वैष्णव सहित कई समाजसेवियों ने बधाई दी और कोरबा की समृद्धि की कामना की। प्रशांत मिश्रा, संजय भावनानी, राज जायसवाल, पूर्वांचल सर्वसमाज के अध्यक्ष अवधेश सिंह, सचिव अरविन्द शर्मा,पूर्वांचल विकास समिति के संरक्षक कमलेश यादव, पत्रकार नौशाद खान, रंजन प्रसाद, धीरज दुबे सहित कई वरिष्ठ पत्रकारों ने छठ घाट पहुंचकर छठ पूजा की बधाई दी।

सरोकार

इतिहास में पहली बार तीन महाशक्तियां एक साथ

अमेरिका, रूस और चीन के राष्ट्रपति एक मंच पर। कल्पना कीजिए, दुनिया की तीन सबसे बड़ी ताकतों के राष्ट्रपति एक ही मंच पर खड़े हैं। एक तरफ अमेरिका, दूसरी तरफ रूस और तीसरी तरफ चीन। तीनों देशों के झंडे एक साथ लहरा रहे हैं। दुनिया की सांसें थमी हुई हैं। यह तस्वीर सिर्फ एक तस्वीर नहीं होगी, यह 21वीं सदी की सबसे बड़ी घटना होगी। क्यों है यह मंच इतना महत्वपूर्ण? दुनिया की आधी से ज्यादा अर्थव्यवस्था, सबसे बड़ी सेनाएं और सबसे आधुनिक तकनीक इन्हीं तीन देशों के पास है। जब ये तीनों आपस में टकराते हैं, तो पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ती है, युद्ध का डर बढ़ता है, तेल के दाम बढ़ते हैं और जब ये तीनों एक साथ बैठते हैं, तो दुनिया को शांति की उम्मीद मिलती है। ईरान, यूक्रेन युद्ध हो, ताइवान का मुद्दा हो, व्यापार युद्ध हो या जलवायु परिवर्तन – दुनिया की हर बड़ी समस्या का हल इन तीनों की सहमति के बिना अधूरा है। तीन अलग सोच, एक मंच तीनों देशों की सोच अलग है। अमेरिका लोकतंत्र और खुली अर्थव्यवस्था की बात करता है। रूस अपनी सुरक्षा और सम्मान की बात करता है। चीन अपने विकास और संप्रभुता की बात करता है। तीनों के हित टकराते हैं, तीनों की प्रतिस्पर्धा है। लेकिन इतिहास गवाह है, जब भी बड़ी ताकतें टकराई हैं, नुकसान छोटे देशों का हुआ है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध ने यही सिखाया है। इसलिए इन तीनों का एक मंच पर आना टकराव का अंत और बातचीत की शुरुआत हो सकता है। भारत जैसे देशों के लिए क्या मतलब ?भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह मंच राहत की सांस होगा। क्योंकि भारत को न तो किसी से दुश्मनी चाहिए, न किसी का पक्ष लेना है। भारत चाहता है कि दुनिया में शांति रहे, व्यापार चलता रहे और विकास की गति न रुके। अगर तीनों महाशक्तियां बातचीत करेंगी, तो छोटे देशों को किसी एक गुट में जाने का दबाव नहीं झेलना पड़ेगा। क्या यह संभव है? यह कठिन है, पर असंभव नहीं। राजनीति में कोई स्थायी दुश्मन नहीं होता, सिर्फ स्थायी हित होते हैं। अगर तीनों देश समझ जाएं कि युद्ध से किसी का भला नहीं होगा, तो यह मंच सिर्फ फोटो का मंच नहीं, शांति का मंच बन सकता है। दुनिया को अब हथियारों की होड़ नहीं, मानवता की जीत चाहिए। अगर अमेरिका, रूस और चीन एक मंच पर आकर दुनिया को यह संदेश दें कि हम लड़ेंगे नहीं, बात करेंगे – तो यही इस सदी की सबसे बड़ी जीत होगी। क्योंकि जब महाशक्तियां हाथ मिलाती हैं, तो दुनिया मुस्कुराती है।

-संपादक



90 साल पुरानी पेंटिंग से Sonam Kapoor ने चुराया फैशन आईडिया, 1936 से जुड़ा है साड़ी का कनेक्शन, अभिनेत्री सोनम कपूर ने मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भारतीय कला इतिहास की एक झलक पेश की।

कभी-कभी हार जाना भी जरूरी



एआई जनरेटेड

आज के व्यस्त जीवन में लोगों के पास न तो खुद के लिए समय है, ना ही रिश्तों के लिए। आज पूरी दुनिया अर्थ कमाने के चक्कर में अंधी दौड़ में शामिल हो गई है। रिश्तों की अहमियत कम हो गई है और रिश्ता निभाने के लिए स्क्रिन ही एक माध्यम बचा है।

जब कभी हम त्यौहार या अन्य कोई उत्सव या कार्यक्रम में पूरे परिवार के साथ मिलते हैं, तो कभी-कभी सम्पत्ति या किसी अन्य चीजों के लिए बहस कर बैठते हैं। परिवार में कोई भी सदस्य बहस में हारना नहीं चाहता, क्योंकि वह सोचता है कि वही सही है, बाकी सब गलत। इस अहम को लेकर परिवार के बीच तनाव इतना बढ़ जाता है कि परिवार टूटने की कगार पर पहुंच जाता है, ऐसे में परिवार को बचाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। स्वयं पहल करें और रिश्ते को बचाने की कोशिश करें। बहस नहीं बल्कि चर्चा होनी चाहिए। बहस हो या चर्चा को आप परिवार के बीच इतना भी आगे ना बढ़ायें कि रिश्तों में मन मुटाव न आने पाए। बहस या चर्चा सकारात्मक होनी चाहिए, यदि बहस में कोई हारना नहीं चाहता, तो आप स्वयं हार मान लें क्योंकि आपकी हार में रिश्तों की जीत हो जाती है और यह हार किसी जीत से कम नहीं।

पति-पत्नी की लड़ाई में अगर पति जीत भी गया, तो पत्नी का दिल टूट जाता है। यदि पत्नी जीत गई तो पति का मन टूट जाता है। जीत तो किसी एक की होती है, पर रिश्ते हार जाते हैं।

हारना कमजोरी नहीं, प्रेम है

रिश्तों में झुक जाना कमजोरी नहीं होती। जो पेड़ आंधी में झुक जाता है, वह बच जाता है और जो अकड़कर खड़ा रहता है, वह टूट जाता है। ठीक वैसे ही इंसान रिश्ते में थोड़ा झुक जाता है, तो वह रिश्ता बचा लेता है।

मां-बाप जब बच्चों की छोटी-छोटी जिद मान लेते हैं, तो वे हारते नहीं हैं, वो प्यार जीतते हैं। पति जब कहता है- चलो तुम्हारी ही सही है! तो वो हार नहीं रहा होता, वो घर की शांति बचा रहा होता है।

दोस्त जब बिना गलती के भी सॉरी कह देता है, तो वो छोटा नहीं हो जाता, बल्कि वो दोस्ती को बड़ा कर देता है।

रिश्तों में जीतने वाले अकेले रह जाते हैं।

जरा सोचिए! जो इंसान हमेशा सही साबित होना चाहता है, हमेशा अपनी बात मनवाना चाहता है, उसके साथ आखिर कौन रहना चाहेगा? धीरे-धीरे लोग उससे दूर होने लगते हैं। आखिर में उसके पास जीती हुई बहस रह जाती है, पर उसके साथ बैठने वाला कोई नहीं रहता।

रिश्ते तर्क से नहीं, भावनाओं से चलते हैं। एक दूसरे के सम्मान करने से चलते हैं। एक दूसरे की बात सुनने और मानने से चलते हैं। रिश्तों में अहम सबकुछ खोखला कर देता है। परिवार में यदि आप ऊंचे ओहदे पर हैं, तो भी अहम ना लाएं और परिवार के सदस्यों को बराबर सम्मान दें। यदि आप पद मिलने के बाद रिश्तों को तुच्छ समझेंगे,तो वह दिन भी आएगा, जब आप रिटायर हो जाएंगे और आपको कोई पूछने वाला नहीं होगा। आप अकेले हो जाएंगे और जीवन फिर बोझि लगने लगेगा।

कब हारना चाहिए?

जब बात छोटी हो-

कभी-कभी मनुष्य छोटी-छोटी कमियों को भी इगो हर्ट का मुद्दा बना लेता है और फिर यहीं से तनाव पैदा होता है। चाय में चीनी कम है, तो बहस, खाना थोड़ा ठंडा है, तो बहस। ऐसी छोटी-छोटी चीजों या बातों पर जीतने की जिद मत करो, मुस्कुराकर हार जाओ।

जब सामने वाला अपना हो-

मां, पिता, पत्नी, भाई, दोस्त ये सब अपने हैं। इनसे जीत कर क्या मिलेगा? इनसे हार जाओ तो सब कुछ मिल जाएगा।

जब रिश्ता दांव पर हो

अगर आपकी एक बात से रिश्ता टूट सकता है तो चुप हो जाना ही सबसे बड़ी जीत है।

सच्ची जीत क्या है?

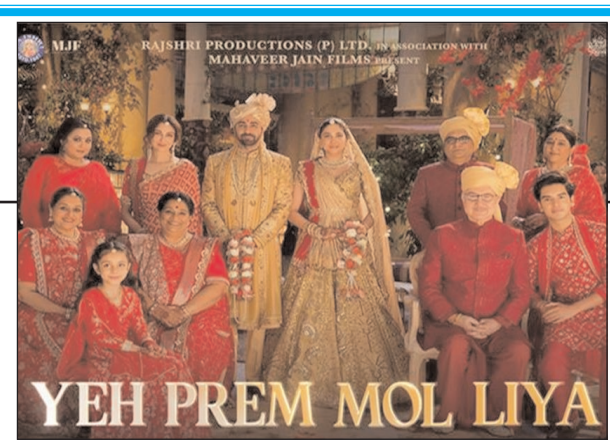
सच्ची जीत वो है, जहां दोनों जीतें। थोड़ा आप झुकें, थोड़ा सामने वाला झुके और रिश्ता मुस्कुराकर जीत जाए।

इसलिए याद रखिए, जिंदगी में हर जगह जीतना जरूरी है, कभी-कभी हार जाना भी सबसे बड़ी जीत होती है, क्योंकि बहस जीतने से ज्यादा जरूरी है, रिश्ता बचाना। जहां रिश्ता बच जाता है, वहां अहंकार हार जाता है। इति।



हम सब जीतना चाहते हैं। हर बहस में, हर झगड़े में, हर बात में, हमें लगता है कि हम ही सही हैं और सामने वाला गलत है। इसी वाद-विवाद में मन मुटाव भी बढ़ता है और रिश्ते कमजोर पड़ जाते हैं। हम जीतने के लिए आखिरी दम तक लड़ते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है, बहस जीत कर हम क्या हार जाते है?

हम जीत जाते हैं, पर रिश्ता हार जाता है। जीवन में रिश्ता बहुत अनमोल है, रिश्ते के लिए यदि आप हार भी जाते हैं, तो यह आपकी बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि आपकी हार से रिश्ता जीत जाता है।



सूरज बड़जात्या एक बार फिर बड़े पर्दे पर परिवार, प्यार और रिश्तों की अहमियत को एक नई कहानी के साथ पेश करने जा रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ स्टारर इस फिल्म की झलक ने दर्शकों को पुराने दौर के पारिवारिक सिनेमा की याद दिला दी है। ट्रेलर सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खास बात यह है कि फिल्म की कहानी शादी और परिवार से जुड़े एक ऐसे विषय को उठाती है, जो आमतौर पर हिंदी फिल्मों में कम देखने को मिलता है।

शादी के बाद दामाद रहेगा ससुराल में

'ये प्रेम मोल लिया' की कहानी में रिश्तों को देखने का एक अलग नजरिया दिखाया गया है। फिल्म में शादी के बाद दूल्हे के दुल्हन के घर रहने की परंपरा को केंद्र में रखा गया है। इसके जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि शादी के बाद किसी लड़की को अपना मायका छोड़कर दूसरे घर में बसने या दोनों परिवारों में से किसी एक को चुनने की मजबूरी नहीं होनी चाहिए। सूरज बड़जात्या ने इस विचार को पारिवारिक भावनाओं, आपसी समझ और प्यार के साथ पर्दे पर उतारा है।

सोशल मीडिया पर ट्रेलर की तारीफ

ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। कई लोगों को इसमें पुराने जमाने की पारिवारिक फिल्मों वाली सादगी और अपनापन नजर आया। एक यूजर ने इसे ओजी फैमिली एंटरटेनर की वापसी बताया, तो दूसरे ने फिल्म के हर फ्रेम की खूबसूरती और भावनात्मक अंदाज की तारीफ की।

एक दर्शक ने लिखा कि राजश्री के संस्कारों के साथ हिमेश रेशमिया का दिल छू लेने वाला संगीत फिल्म को खास बना रहा है और अब 27 नवंबर का इंतजार मुश्किल हो रहा है। वहीं, एक अन्य फैन ने कहा कि इस तरह की फिल्म बनाने का काम सिर्फ सूरज बड़जात्या ही कर सकते हैं। दर्शक को उम्मीद है कि यह फिल्म एक बार फिर परिवारों को एक साथ सिनेमाघरों तक लाने में कामयाब होगी।

फिल्म के विषय को लेकर भी दर्शकों में उत्साह है। एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि शादी के बाद महिलाओं को मायके और ससुराल के बीच बंटकर रहने की सोच को बदलने की जरूरत है और फिल्म इसी दिशा में एक अच्छी पहल करती दिखाई दे रही है। वहीं, कुछ दर्शकों ने राजश्री की फिल्मों को भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ते हुए इसकी सराहना की है।

शरवरी के लुक ने दिलाई 90 के दशक की याद

ट्रेलर में शरवरी के लुक और उनके अंदाज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उनके स्टाइल की तुलना 90 के दशक की बॉलीवुड अभिनेत्रियों से की है। एक यूजर के मुताबिक, शरवरी का अंदाज पुराने दौर की खूबसूरत यादें ताजा कर देता है। वहीं, आयुष्मान खुराना भी प्रेम के किरदार में दर्शकों को पसंद आ रहे हैं। एक फैन ने फिल्म के बारे में लिखा कि राजश्री, प्रेम, हिमेश रेशमिया का संगीत और बड़ा परिवार, ये सभी चीजें मिलकर पुराने सिनेमा की याद दिलाती हैं। दर्शक ने यह भी कहा कि कुछ फिल्में सिर्फ रिलीज नहीं होतीं, बल्कि उनका जश्न मनाया जाता है और सूरज बड़जात्या ऐसी ही फिल्मों का अनुभव वापस लेकर आए हैं।

एक अन्य दर्शक ने ट्रेलर को 90 के दशक की यादों से जोड़ते हुए कहा कि आज के समय में ऐसी सरल और खूबसूरत प्रेम कहानियों की जरूरत है, जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके। कुल मिलाकर, ट्रेलर को मिल रही प्रतिक्रियाओं से साफ है कि दर्शक इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

हिमेश रेशमिया के संगीत को भी मिल रहा प्यार

फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसका संगीत भी चर्चा में है। हिमेश रेशमिया ने 'ये प्रेम मोल लिया' का म्यूजिक तैयार किया है। फिल्म के गानों को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। खासतौर पर गाना 'झुमका पटोला' लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है। इस गाने ने एक मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है।

फिल्म में नजर आएंगे ये कलाकार

सूरज बड़जात्या की इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, स्वानंद किरकिरे, श्रुति सेठ, शाद रंधावा, गिरीश कुलकर्णी और राजेश कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड और महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से बनी 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज आर. बड़जात्या ने किया है। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एजेंसी।

किसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाता

कम मात्रा में धान बेचने पर भी किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी सहायता राशि देने का निर्णय बना किसानों के लिए बड़ी राहत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का सकारात्मक परिणाम खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में देखने को मिल रहा है। प्रदेश सहित कोंडागांव जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासन की इन पहलों से किसानों को न केवल आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि धान विक्रय की प्रक्रिया भी पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो रही है।

जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा ने किसानों की परेशानी काफी कम कर दी है। अब किसानों को टोकन कटाने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि वे घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तैयारी कर पा रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक तौलयंत्र से धान का वजन किए जाने से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इसके साथ ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से उपार्जन केंद्र में ही भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।



'ऑनलाइन टोकन से आसान हुई धान बेचने की प्रक्रिया'

धान खरीदी की व्यवस्थाओं से किसानों में संतोष और उत्साह का माहौल है। धान उपार्जन केंद्र गिरोला में पहले दिन अपनी उपज बेचने पहुंचे किसान दिलीप दिवान ने बताया कि वे पहले दिन 100 क्विंटल धान विक्रय करने आए हैं। उन्होंने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया, जिससे उन्हें काफी सहूलियत हुई। उन्होंने कहा कि मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

इसी तरह ग्राम गिरोला निवासी किसान पुनउराम शोरी ने बताया कि उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से घर बैठे ही टोकन प्राप्त हो जाता है, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वहीं ग्राम सातगांव निवासी किसान मेघनाथ दीवान ने बताया कि उनका 16 क्विंटल धान का टोकन कटा है और वे पहले दिन ही अपनी उपज बेचने उपार्जन केंद्र पहुंचे हैं।

कम धान विक्रय करने पर भी मिलेगी पूरी सहायता राशि

राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था की है। इसके साथ ही सरकार ने एक महत्वपूर्ण किसान हितैषी निर्णय लेते हुए यह सुनिश्चित किया है कि यदि कोई किसान निर्धारित अधिकतम उपार्जन सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम मात्रा में भी धान अथवा धान बीज का विक्रय करता है, तब भी उसे उसके बोए गए संपूर्ण सत्यापित रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। इससे किसानों को कम उपज विक्रय करने की स्थिति में भी आर्थिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार की इन किसान हितैषी पहलों से शासन का उद्देश्य केवल धान की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना भी है। ऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल, सुविधाजनक भुगतान और पूरी सहायता राशि सुनिश्चित करने जैसे निर्णय किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन व्यवस्थाओं से जिले के अन्नदाताओं में विश्वास बढ़ा है और खेती-किसानी को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हुई है।

किसानों ने राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था और कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी समान प्रोत्साहन सहायता राशि देने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने इसे किसानों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

तुलसी विवाहः पवित्रता और भक्ति का महापर्व

आस्थाः माँ तुलसी-भगवान शालिग्राम की शादी से होती हैं विवाह में आने वाली बाधाएं दूर

कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी के दिन हर आंगन में एक अनोखी शादी होती है। न बैंड-बाजा, न बारात का शोर, फिर भी पूरा मोहल्ला इस विवाह में शामिल होता है। यह विवाह है माता तुलसी और भगवान शालिग्राम का।



कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी के दिन हर आंगन में एक अनोखी शादी होती है। न बैंड-बाजा, न बारात का शोर, फिर भी पूरा मोहल्ला इस विवाह में शामिल होता है। यह विवाह है माता तुलसी और भगवान शालिग्राम का।

कौन हैं माता तुलसी ?

पौराणिक कथा के अनुसार तुलसी पूर्व जन्म में वृंदा थीं, जो राक्षसराज जालंधर की पत्नी थीं। अपने पतिव्रता धर्म के कारण जालंधर अजेय था। भगवान विष्णु ने वृंदा का व्रत भंग किया, तब जालंधर का वध हुआ। बाद में वृंदा ने तुलसी के पौधे के रूप में जन्म लिया। भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान दिया कि बिना तुलसी दल के मेरी पूजा अधूरी रहेगी और हर साल कार्तिक में मैं तुमसे विवाह करूंगा। तभी से तुलसी विवाह की परंपरा चली आ रही है।

कैसे होता है तुलसी विवाह ?

तैयारी

सुबह से ही घर की महिलाएं तुलसी के पौधे को साफ करती हैं। गमले को लाल चुनरी, चूड़ी, बिंदी, हल्दी-कुमकुम से दुल्हन की तरह सजाया जाता है।

गन्ने का मंडप

तुलसी के ऊपर गन्ने के चार डंडों से मंडप बनाया जाता है। मंडप को फूलों और दीयों से सजाया जाता है।

शालिग्राम का आगमन

भगवान शालिग्राम को पीले वस्त्र पहनाकर, मुकुट लगाकर मंडप के नीचे लाया जाता है। उन्हें तुलसी के सामने बैठाया जाता है।

विवाह की रस्में

जैसे आम शादी में होता है - हल्दी, मेहंदी, फेरे, सिंदूरदान और सात वचन। महिलाएं मंगल गीत गाती हैं - 'तुलसी मैया की जय... '। अंत में आरती और प्रसाद बांटा जाता है।

क्यों खास है तुलसी विवाह ?

शास्त्रों में कहा गया है कि जिस घर में तुलसी विवाह होता है, वहां कभी दरिद्रता नहीं आती। जिनके घर में बेटी नहीं है, उन्हें तुलसी का कन्यादान करने से कन्यादान का पुण्य मिलता है। जिन कन्याओं के विवाह में बाधा आ रही हो, उन्हें तुलसी विवाह कराने से शीघ्र अच्छा वर मिलता है।

तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं है, वह हमारी आस्था, हमारी परंपरा और हमारे स्वास्थ्य की रक्षक है। तुलसी की पत्ती में औषधीय गुण हैं, तुलसी की हवा में शुद्धता है, तुलसी के आंगन में होने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

तुलसी विवाह हमें सिखाता है कि पौधों में भी प्राण हैं, प्रकृति में भी भगवान बसते हैं। अगर हम तुलसी जैसी एक पौधे को इतना सम्मान दे सकते हैं, तो हमें हर पेड़-पौधे का सम्मान करना चाहिए।

तुलसी सिर्फ पौधा नहीं, हमारी आस्था भी

तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं है, वह हमारी आस्था, हमारी परंपरा और हमारे स्वास्थ्य की रक्षक है। तुलसी की पत्ती में औषधीय गुण हैं, तुलसी की हवा में शुद्धता है, तुलसी के आंगन में होने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

एक श्राप जो बना वरदान

दैत्य पत्नी से श्रीहरि के मस्तक की शोभा बनने तक की पौराणिक कथा



सनातन संस्कृति में तुलसी पूजन और तुलसी विवाह का अत्यंत विशेष धार्मिक महत्व है। शास्त्रों के अनुसार तुलसी को धन एवं समृद्धि की देवी भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। जो भी श्रद्धालु सदाचारी और सुखी पारिवारिक जीवन- यापन की कामना रखते हैं, वे पूरे विधान के साथ तुलसी जी की आराधना करते हैं। जिस प्रकार लोक जीवन में विवाह का आयोजन बड़े धूमधाम से होता है, ठीक उसी प्रकार तुलसी जी का विवाह भी पूरे हर्षोल्लास के साथ भगवान के साथ रचाया जाता है, क्योंकि भगवान विष्णु ने स्वयं तुलसी को अपनी पत्नी होने का वरदान दिया था।

शंखचूड़ की पत्नी वृंदा और शालीग्राम अवतार

पुरातन धार्मिक कथा के अनुसार, तुलसी पूर्व जन्म में शंखचूड़ नामक दैत्य की परम निष्ठावान और पतिव्रता पत्नी वृंदा थीं। पौराणिक प्रसंग के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने छल से उनका सतित्व भंग किया, तब क्रोधित होकर वृंदा ने भगवान को पाषाण (पत्थर) बन जाने का श्राप दे दिया।

वृंदा के इस श्राप के कारण ही भगवान विष्णु पत्थर के रूप में परिवर्तित होकर शालीग्राम कहलाए। हालांकि, देवी वृंदा की अगाध भक्ति और निष्ठावान सदाचारिता को देखकर भगवान विष्णु अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने वृंदा को वरदान देकर अत्यंत पूजनीय पौधे तुलसी के रूप में स्थापित किया।

श्रीहरि के मस्तक की शोभा और दिव्य वरदान

भगवान विष्णु ने देवी वृंदा को यह दिव्य वरदान दिया कि वे सदैव श्रीहरि के मस्तक की शोभा बनेंगी। इसके साथ ही यह विधान स्थापित हुआ कि तुलसी के पत्तों के बिना भगवान का कोई भी भोग स्वीकार्य नहीं होगा और वह अधूरा माना जाएगा। इसी पौराणिक वरदान के कारण हर सनातन हिंदू तुलसी पौधे का पूजन करता है तथा विष्णु जी की पूजा और उनके अवतारों की आराधना में हमेशा तुलसी पत्र अर्पित किए जाते हैं।

घरेलू परंपराएं एवं तुलसी-पीठ का पूजन

भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे का स्थान अत्यंत पवित्र माना गया है-

तुलसी-पीठ की स्थापना

अधिकांश भारतीय घरों के आगे, पीछे या बीच के आंगन में एक तुलसी-पीठ स्थापित रहता है। वर्तमान समय में अपार्टमेंट्स और फ्लैटों में भी लोग तुलसी का पौधा गमले में लगाकर रखते हैं।

नित्य पूजन विधान

घर की गृह-स्वामिनी प्रतिदिन तुलसी जी में जल अर्पित करती हैं, दीप प्रज्वलित करती हैं और नियमपूर्वक प्रदक्षिणा करके पूजा सम्पन्न करती हैं।

प्रत्येक अंश की पवित्रता

तुलसी का डंठल, उसके पत्ते, बीज और इसके तल की मिट्टी (जड़ की मृदा) भी अत्यंत पावन मानी जाती है।

तुलसी नास्ति अथैव तुलसी

बेजोड़ और आत्मशुद्धि का प्रतीक

संस्कृत की प्रसिद्ध उक्ति 'तुलसी नास्ति अथैव तुलसी' का भावार्थ है कि जो पूर्णत: बेजोड़ और अतुलनीय है, वही तुलसी है।

तुलसी को सनातन परंपरा में सबसे पवित्र पौधा माना गया है। इसकी एक अनोखी धार्मिक विशेषता यह है कि यह एकमात्र ऐसा पूजन पदार्थ है, जो पूजा में एक बार प्रयुक्त होने के बाद भी पुन: धोकर प्रयोग में लाया जा सकता है, क्योंकि इसे स्वयं आत्मशुद्धि करने वाला माना जाता है।

एजेंसी।

देवउठनी एकादशी- 20 नवम्बर को

जब जागते हैं भगवान विष्णु शुरू होते हैं मांगलिक कार्य



कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा से जागते हैं।

देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक के चार महीनों को चातुर्मास कहते हैं। इन चार महीनों में भगवान सोए रहते हैं, इसलिए शादी, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य बंद रहते हैं। देवउठनी एकादशी के साथ ही फिर से शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है।

तुलसी विवाह का महापर्व

देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान शालिग्राम का विवाह माता तुलसी से कराया जाता है। घर-घर में तुलसी के पौधे को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। गन्ने का मंडप बनता है, दीये जलाए जाते हैं और भजन-कीर्तन होता है। मान्यता है कि तुलसी विवाह कराने से कन्यादान के बराबर पुण्य मिलता है।

क्या है कथा ?

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग में पूरी पृथ्वी मांग ली थी। बलि की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें पाताल लोक में रहने का वरदान दिया और स्वयं भी उनके साथ रहने का वचन दिया। तब माता लक्ष्मी ने बलि को भाई बनाकर भगवान को वापस मांगा। तब से भगवान चार महीने पाताल में बलि के पास और आठ महीने क्षीरसागर में रहते हैं। देवउठनी के दिन ही भगवान पाताल से वापस आकर जगत का कार्यभार संभालते हैं।

पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। भगवान विष्णु को पीले फूल, तुलसी दल, फल और पंचामृत चढ़ाएं। शाम को तुलसी के पास गन्ने का मंडप बनाकर शालिग्राम और तुलसी का विवाह कराएं। दीपदान करें और घर को दीयों से सजाएं। अगले दिन द्वादशी को ब्राह्मण और जरूरतमंदों को भोजन कराकर व्रत खोलें।

क्या करें, क्या न करें

इस दिन चावल, प्याज, लहसुन और मांस-मदिरा से दूर रहें। मन में किसी के प्रति द्वेष न रखें। भगवान का नाम जपें और जरूरतमंदों की मदद करें।

देवउठनी एकादशी हमें सिखाती है कि जीवन में विश्राम भी जरूरी है और जागरण भी। जैसे भगवान चार महीने विश्राम के बाद फिर से सृष्टि को संभालते हैं, वैसे ही हमें भी थकान के बाद नई ऊर्जा के साथ अपने कर्तव्यों की ओर लौटना चाहिए।

दिव्य आकाश परिवार की ओर से देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह की शुभकामनाएं!

देवउठनी एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक भीष्म पंचक का महाव्रत

जानें सही तिथि, कथा और 5 दिनों के अचूक नियम

कार्तिक मास को सनातन धर्म में सभी महीनों में सर्वश्रेष्ठ और पुण्यदायी माना गया है। इस पूरे पवित्र महीने का सबसे फलदायी और कल्याणकारी समय अंतिम 5 दिन होते हैं, जिन्हें शास्त्रों में 'भीष्म पंचक' या 'विष्णु पंचक' के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 2026 में यह महाव्रत देवउठनी एकादशी (देवप्रबोधिनी एकादशी) से प्रारंभ होकर कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा। मान्यता है कि जो श्रद्धालु पूरे कार्तिक मास में स्नान-दान का नियम नहीं ले पाते, यदि वे केवल इन अंतिम 5 दिनों में संयम और भक्ति भाव से भीष्म पंचक का व्रत कर लें, तो उन्हें पूरे कार्तिक माह के फल की प्राप्ति होती है और जीवन के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।

भीष्म पंचक 2026: तिथि और पंचांग मुहूर्त

पंचांग गणना के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से पूर्णिमा तिथि तक भीष्म पंचक व्रत का विधान है। भीष्म पंचक व्रत 2026 का शुभारंभ 20 नवंबर 2026, शुक्रवार को कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देवउठनी एकादशी के दिन होगा। इस दिन प्रात: 7 बजकर 16 मिनट पर एकादशी तिथि प्रारंभ होगी। व्रत के पहले दिन भगवान विष्णु के जागरण की पूजा-अर्चना कर व्रत का संकल्प लिया जाएगा।

भीष्म पंचक व्रत के दूसरे दिन यानी 21 नवंबर 2026, शनिवार को कार्तिक शुक्ल द्वादशी और तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन तुलसी माता की विधि-विधान से पूजा करने और भगवान विष्णु की आराधना करने का विशेष महत्व है।

तीसरे दिन 22 नवंबर 2026, रविवार को कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी और प्रदोष तिथि होगी। इस दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की संयुक्त आराधना करना शुभ माना जाता है।

व्रत के चौथे दिन 23 नवंबर 2026, सोमवार को कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी यानी वैकुंठ चतुर्दशी मनाई जाएगी। इस दिन दीपदान और तर्पण का विशेष महत्व रहेगा।

इसके बाद 24 नवंबर 2026, मंगलवार को कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा के दिन भीष्म पंचक व्रत का समापन होगा। इस अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान, पूजा-पाठ, पूर्णाहुति और जरूरतमंदों को दान करने का विधान है। पूर्णिमा तिथि का समापन 24 नवंबर को रात्रि 8 बजकर 24 मिनट पर होगा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भीष्म पंचक के इन पांच दिनों में श्रद्धापूर्वक व्रत, भगवान विष्णु की पूजा, दीपदान और दान-पुण्य करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि और भगवान श्रीहरि की कृपा बनी रहती है।

शास्त्रों में वर्णित कथा के अनुसार, इस व्रत का आरंभ महाभारत काल के दौरान हुआ था। स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने इसे भीष्म पंचक नाम दिया। महाभारत युद्ध के उपरांत जब भीष्म शरशैय्या पर सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा में अपनी मृत्यु की घड़ियां गिन रहे थे, तब श्रीकृष्ण ने पांडवों को उनसे ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। पांच दिन तक भीष्म ने धर्म, कर्म, नीति, राजनीति और मोक्ष पर उन्हें उपदेश दिया।

कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन भीष्म के नाम से तर्पण अवश्य करें। जब पितामह भीष्म शरशैय्या पर मृत्यु की प्रतीक्षा में थे तो उन्होंने अर्जुन से पीने के लिए पानी मांगा। तब अर्जुन ने अपने बाण से पितामह की माता देवी गंगा की धारा प्रवाहित की, जो सीधे भीष्म के मुंह में गई और वे तृप्त हुए।

पितामाह भीष्म को अर्घ्य-तर्पण

इन पांच दिनों में निम्न: मंत्र से भीष्म जी के लिए तर्पण करना चाहिए-

सत्यव्रताय शुचये गांगेयाय महात्मने। भीष्मायैतद ददाम्यर्घ्यमाजन्मब्रह्मचारिणे ।।

जो जातक निम्न लिखे मंत्र से पितामाह भीष्म को अर्घ्यदान करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वैयाघ्रपदगोत्राय सांकृतप्रवराय च। अपुत्राय ददाम्येतदुदकं भीष्मवर्मणे ।।

वसूनामवताराय शन्तनोरात्मजाय च। अर्घ्यं ददामि भीष्माय आजन्मब्रह्मचारिणे ।।

अर्थात- जिनका व्याघ्रपद गोत्र और सांकृत प्रवर है, उन पुत्ररहित भीश्म्वार्मा को मैं यह जल देता हू। वसुओं के अवतार, शांतनु के पुत्र आजन्म ब्रह्मचारी भीष्म को मैं अर्घ्य देता हूं।

संसार का हर सुख देंगे ये 5 दिन,गरुड़ पुराण के अनुसार 5 दिन तक करें ये काम-

पहले दिन- श्री हरि के चरणों में कमल के फूल चढ़ाएं।

दूसरे दिन- श्री हरि की जंघाओं पर बिल्व पत्र चढ़ाएं।

तीसरे दिन- श्री हरि की नाभि पर इत्र अर्पित करें।

चौथे दिन- श्री हरि के कंधे पर जवा कुसुम फूल अर्पित करें।

पांचवे दिन- श्री हरि को मालती के फूल अर्पित करें।

पांच दिनों में त्याग दें ये चीज़ें

इन पांच दिनों में अन्न का त्याग करें। इसके विपरीत कंदमूल, फल, दूध अथवा हविष्य (विहित सात्विक आहार जो यज्ञ के दिनों में किया जाता है) का सेवन करें।

इसके साथ ही इन दिनों में पंचगव्य का सेवन लाभदायी है। पानी में थोड़ा-सा गोझरण डालकर स्नान करें तो वह रोग-दोषनाशक तथा पापनाशक माना जाता है। इन दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

एजेंसी।



शास्त्रों की बात जाने धर्म के साथ







छठ पूजाःतुलसी नगर छठघाट में उजास

उदीयमान सूरज को अर्ध्य देने के साथ छठ पूजा का दिव्य अनुष्ठान सम्पन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)

तुलसीनगर छठ घाट में छठ पूजा का उल्लास देखते ही बन रहा था। यहां छठ पूजा का 16वां साल धूमधाम से सम्पन्न हुआ। तुलसीनगर, गेरवाघाट, ट्रांसपोर्ट नगर सहित आसपास के हजारों लोग छठ पूजा में शामिल हुए। तुलसीनगर छठ पूजा समिति द्वारा पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाएं की थी। टेंट, चेंजिंग रूम और लाईटिंग की पर्याप्त व्यवस्था से यहां दिनों दिन व्रतियों और लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। हजारों लोगों की उपस्थिति से यहां उल्लास और उमंग देखते ही बन रहा था। व्रती छठ मैय्या की आराधना के साथ छठ गीत गाकर माहौल को आध्यात्म और उल्लास का संगम बना दिया। आतिशबाजी से आसमां सतरंगी छटाओं से मनमोहक बन गया। पार्षद मथुरा चंद्रा, पूर्वांचल छठ समिति के अध्यक्ष शत्रुहन शर्मा, सूरज पाण्डेय, रविन्दर शर्मा, मंजित सिंह, अरविन्द गोस्वामी, विवेक तिवारी, शंभु गिरी, तारकेश्वर तिवारी, गुड्डू गोस्वामी सहित सदस्यों की छठ पूजा प्रबंधन में अतुलनीय योगदान रहा।

व्रतियों के साथ आरती-विकास अग्रवाल ने दिया उदीयमान सूर्य को अर्ध्य

पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता विकास अग्रवाल सपरिवार तुलसीनगर छठ घाट पहुंचे थे। माँ श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल, धर्मपत्नी पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल, भाई बहु श्रीमती श्रुति अग्रवाल, मासूम भतीजा विराज सहित शुभचिंतकों, परिजनों ने छठ मैय्या की पूजा की। श्रीमती आरती-विकास अग्रवाल ने पानी में उतरकर उदीयमान सूर्य को जल अर्पण किया और घर परिवार, समाज एवं कोरबा की समृद्धि, प्रगति, खुशहाली और लोकमंगल के लिए छठी मैय्या से प्रार्थना की। विकास अग्रवाल ने उपस्थितजनों को सूर्य सप्तमी पर छठ पूजा की मंगलकामनाएं प्रेषित की और सभी के घरों में छठ मैय्या की कृपा हर दिन बरसती रहे, ऐसी शुभमंगलकामनाएं की।

व्रतियों एवं पुलिस जवानों का सम्मान

छठ पूजा सम्पन्न होने के बाद विकास अग्रवाल परिवार द्वारा व्रतियों एवं पुलिस कर्मियों का उपहार देकर सम्मान किया। विकास अग्रवाल ने कहा कि 36 घंटे का निर्जला विकास कठिन व्रत है और ऐसे ही व्रतियों से हमारा सनातन धर्म और परंपरा प्रगतिशील है तथा सनातन धर्म का विस्तार हो रहा है। उन्होंने उपहार देकर सभी व्रतियों का परिवार सहित पांव पखारा और पांव छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद यहां तैनात पुलिस कर्मियों को भी उपहार देकर सम्मानित किया और कहा कि पुलिस कर्मियों का कर्त्तव्य निर्वहन कठिन परिश्रम है। सुबह से रात तक इनकी ड्यूटी किसी व्रत से कम नहीं। हम इनका सम्मान कर अपने आपको धन्य समझते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जागती है, तो ही आमआदमी चैन से सोता है। पुलिस सजग प्रहरी हैं और हमारी सुरक्षा में अपना चैन तक खो देते हैं। ऐसे पुलिस कर्मियों का ह्दय से आभार एवं अभिनंदन।







सिंदूर दान से सौभाग्य की कामना



छठ गीतों की रही गूंज



सूप-टोकरी सर पर उठाया आरती-विकास अग्रवाल ने



तुलसी नगर छठ घाट में वार्ड सहित क्षेत्र के लोगों का अभूतपूर्व भीड़।

नमस्तुलसि कल्याणी नमो विष्णुप्रिये शुभे। नमो मोक्षप्रदे देवि नमः सम्पत्प्रदायिनी।।

जिस आंगन में तुलसी माँ विराजमान हैं, वो घर स्वर्ग समान है। सुख और सम्पदा का आगमन हो, जब शालिग्राम और माँ तुलसी का मिलन हो... इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ



समस्त जिलेवासियों को तुलसी विवाह (देवउठनी एकादशी) की हार्दिक बधाई





दादी और माँ के साथ विराज

अग्रवाल परिवार की ओर से समस्त जिलेवासियों का अभिनंदन
भगवान श्री शालिग्राम-माँ तुलसी घर-घर समृद्धि और खुशहाली लाए, ऐसी शुभकामनाएं...



राजबीर प्रसाद अग्रवाल
पूर्व कोषाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी जिला-कोरबा

श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल
समाज सेविका
कोरबा, जिला-कोरबा



विकास अग्रवाल
पूर्व पार्षद, वार्ड क्र.-02 न.पा.नि. कोरबा
जिला संयोजक ; भाजपा (व्यापार प्रकोष्ठ)

श्रीमती आरती अग्रवाल
पूर्व पार्षद
वार्ड क्र.-02 न.पा.नि. कोरबा

आर.बी. ट्रेडर्स, आर.बी.टायर्स, आर.बी फ्यूल्स टी.पी. नगर, कोरबा



कड़कड़ाती ठंड में नन्हा विराज ने भी छठ मैय्या की पूजा

श्रीमती श्रुति-पंकज अग्रवाल का मासूम पुत्र एवं श्रीमती गायत्री-राजबीर प्रसाद अग्रवाल का पोता विराज भी अपने बड़े पापा विकास अग्रवाल एवं परिवार के साथ तुलसी नगर छठ घाट कड़कड़ाती ठंड में पहुंचा और छठ मैय्या के श्रीचरणों में अपना शीश नवाया। ऐसे कई बच्चे अपने परिवार के साथ छठ घाट पहुंचे थे।

मंगल आरती



छठ मैय्या की आरती में भी विकास अग्रवाल एवं परिवार शामिल हुए और सौभाग्य तथा समृद्धि की मंगलकामनाओं के साथ छठ मैय्या की पूजा-अर्चना की।

जनकल्याण की शुभ-कामना

नगर पालिक निगम कोरबा, वार्ड तुलसी नगर के पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल ने सभी को सूर्य सप्तमी पर शुभकामनाएं दी। अपने शुभकामना संदेश में विकास अग्रवाल ने कहा कि छठी मैय्या जीवंत देवी हैं और हमें रोज दर्शन देती हैं। उनकी ऊर्जा से सकल जगत को ऊर्जा मिलती है और भगवान भुवन भास्कर के प्रकाश पूंज से विश्व को रोशनी। छठ मैय्या सबको समृद्धि और खुशहाल परिवार दे तथा कोरबा के विकास को नित नए आयाम मिले।

इतिहास में पहली बार दुनिया की तीन महाशक्तियां एक मंच पर: ट्रंप-जिनपिंग और पुतिन में हुई पहली त्रिपक्षीय बैठक, कई मुद्दों पर हुआ गंभीर मंथन

शेनझेन (चीन), एजेंसी।

परमाणु हथियारों पर नियंत्रण, यूक्रेन और ईरान युद्ध तथा वैश्विक शांति जैसे गंभीर मुद्दों पर मंथन

दुनिया की राजनीति में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया है, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें टिक गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहली बार एक साथ त्रिपक्षीय वार्ता की मेज पर बैठे। एक घंटे से अधिक चली इस ऐतिहासिक बैठक में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण, यूक्रेन और ईरान युद्ध तथा वैश्विक शांति जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप ने इसे इतिहास बनाने वाला क्षण बताया, जबकि जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित कर नष्ट करने की वकालत की। सवाल यह है कि क्या दुनिया की तीन सबसे बड़ी ताकतें मिलकर युद्ध और परमाणु खतरे को रोक पाएंगी या यह मुलाकात महज एक कूटनीतिक तस्वीर बनकर रह जाएगी?

तीन महाशक्तियों की पहली साझा बैठक

चीन के शेनझेन में बृहस्पतिवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार एक साथ त्रिपक्षीय बैठक की। यह बैठक एक घंटे से अधिक समय तक चली। इसे वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। ट्रंप ने बैठक की शुरुआत में कहा कि अमेरिका, रूस और चीन दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने और उनके इस्तेमाल के खतरे को घटाने के लिए चर्चा करने की विशिष्ट स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, हम वास्तव में इतिहास बना रहे हैं। वहीं, जिनपिंग ने कहा कि तीनों देशों के बीच बातचीत का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति को बढ़ावा देना है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, जिनपिंग ने परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें पूरी तरह नष्ट करने की वकालत की। उन्होंने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया बनाने का आह्वान किया। पुतिन ने द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका, रूस और चीन की साझा भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि तीनों देश उस युद्ध के विजेता रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने की उनकी संयुक्त जिम्मेदारी है।

परमाणु हथियारों पर नियंत्रण सबसे बड़ी चुनौती

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा परमाणु हथियारों पर नियंत्रण रहा। अमेरिका और रूस के बीच आखिरी परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता **न्यू स्टार्ट** फरवरी में समाप्त हो गया था। ट्रंप अब एक नए, बेहतर और आधुनिक समझौते की इच्छा जता रहे हैं, जिसमें चीन को भी शामिल किया जाए। हालांकि, चीन को इस तरह के समझौते के लिए तैयार करना आसान नहीं होगा। अनुमान के मुताबिक, चीन के पास 600 से अधिक परमाणु हथियार हैं, जबकि अमेरिका और रूस के पास पांच-पांच हजार से अधिक परमाणु हथियार होने का अनुमान है। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि परमाणु हथियार हासिल करने के बाद उन्हें छोड़ना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि इन हथियारों को खत्म करना आसान काम नहीं है।

ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी चर्चा

शस्त्र नियंत्रण संघ के कार्यकारी निदेशक डेरिल किमबॉल ने कहा कि केवल कूटनीतिक दिखावे और नेताओं की तस्वीरों से काम नहीं चलेगा। इस दिशा में लगातार बातचीत और ठोस प्रयासों की जरूरत है। त्रिपक्षीय बैठक से पहले ट्रंप और जिनपिंग के बीच अलग से द्विपक्षीय बातचीत हुई। इस साल दोनों नेताओं की यह तीसरी बड़ी मुलाकात थी। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ अपने अच्छे संबंधों की तारीफ की। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति जारी रखने में दोनों देशों की साझा दिलचस्पी का भी उल्लेख किया। ईरान युद्ध के कारण यह समुद्री मार्ग हमलों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ट्रंप ने यह संकेत भी दिया कि वह चीन



से अमेरिका के कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने का आग्रह करेंगे। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, जिनपिंग ने ताइवान का मुद्दा उठाया और कहा कि दोनों देशों को आर्थिक एवं व्यापारिक मामलों में संवाद बेहतर करने की जरूरत है।

पुतिन से भी हुई ट्रंप की अलग बैठक

ट्रंप ने बृहस्पतिवार को पुतिन के साथ भी अलग से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट बातचीत हुई। यह पिछले साल अलास्का में हुई बातचीत के बाद उनकी पहली मुलाकात थी। उस समय यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई समझौता नहीं हो पाया था। पुतिन से हाथ मिलाते हुए ट्रंप ने उन्हें अपना मित्र बताया। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच कई वर्षों से अच्छे संबंध रहे हैं और इस मुलाकात से अच्छी चीजें निकल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका और यूक्रेन के संबंधों में हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है। ट्रंप ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने से इनकार किया है। वहीं, यूक्रेन को युद्ध में अपने ड्रोन संचालन के लिए मिलने वाली उपग्रह सहायता में भी बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

जिनपिंग और पुतिन की दोस्ती ट्रंप के लिए चुनौती

इस बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चीन और रूस के बीच बढ़ती नजदीकी भी है। जिनपिंग ने बुधवार को पुतिन का स्वागत करते हुए उन्हें अपना पुराना मित्र कहा था। जवाब में पुतिन ने भी जिनपिंग को अपना प्रिय मित्र बताया। यूक्रेन पर 2022 में रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने मॉस्को पर प्रतिबंध लगाए थे। ऐसे समय में चीन ने आर्थिक और व्यापारिक सहयोग के जरिए रूस को बड़ी राहत दी। इसके मुकाबले जिनपिंग और ट्रंप के संबंधों में उतनी सहजता दिखाई नहीं देती। सितंबर में व्हाइट हाउस की यात्रा के दौरान जिनपिंग ने ट्रंप के साथ अपने व्यक्तिगत संपर्कों का उल्लेख तो किया, लेकिन उनका व्यवहार काफी संयमित रहा।

AI और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा भी बनी चिंता

अमेरिका और चीन के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा उन्नत कंप्यूटर चिप को लेकर प्रतिस्पर्धा भी तेज हो रही है। दोनों देश इस तकनीक में दुनिया का नेतृत्व हासिल करना चाहते हैं। इसके अलावा, अमेरिका चीन पर व्यापारिक असंतुलन और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति को लेकर भी दबाव बना रहा है। पिछले साल दोनों देशों के बीच शुल्क वृद्धि को लेकर हुए टकराव के बाद व्यापारिक तनाव कम करने के लिए समझौता हुआ था, जिसकी अवधि अगले वर्ष 10 जनवरी को समाप्त होने वाली है। ट्रंप ने फिलहाल चीन को उन्नत कंप्यूटर चिप की आपूर्ति पर और सख्त प्रतिबंध लगाने से परहेज किया है। वह चीन के साथ संबंधों को और बिगाड़ना नहीं चाहते।

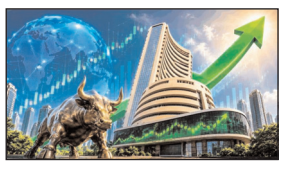
यूक्रेन की गैरमौजूदगी पर भी उठे सवाल

इस बैठक को लेकर एक बड़ा सवाल यह भी है कि यूक्रेन युद्ध पर चर्चा में यूक्रेन को ही शामिल नहीं किया गया। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भी इस बातचीत में भागीदारी नहीं थी, जबकि इन देशों के हित भी युद्ध और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े हैं। ट्रंप ने बैठक में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय जैसी वैश्विक संस्थाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तीनों देश ऐसी संस्थाओं से अपनी संप्रभुता की रक्षा के तरीकों पर चर्चा करेंगे। कुल मिलाकर, तीन परमाणु शक्तियों के नेताओं की यह मुलाकात वैश्विक राजनीति में नए समीकरण बनने का संकेत देती है। लेकिन क्या यह बातचीत वास्तव में युद्ध रोकने और परमाणु हथियारों पर लगाम लगाने की दिशा में आगे बढ़ेगी, इसका जवाब आने वाले समय में ही मिलेगा।

सेंसेक्स-निफ्टी में जोरदार उछाल

निवेशकों की बल्ले-बल्ले

मुंबई, एजेंसी।



भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को शानदार रिकवरी देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार वापसी की। सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 1,231 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी में भी 376 अंकों से ज्यादा की रिकवरी दर्ज की गई।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 989.94 अंक उछल कर 83,021.75 पर बंद हुआ और निफ्टी 286.35 अंकों की तेजी के साथ 25,514.30 के स्तर पर आ गया। इस तेजी के चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.59 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। बाजार में तेजी की सबसे बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की लगातार खरीदारी मानी जा रही है।

विदेशी निवेशकों ने बाजार में लगाया पैसा

बाजार में तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की खरीदारी अहम वजह रही। बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 5,866.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। नवंबर में अब तक उनका कुल निवेश 1.06 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया है। इसके अलावा कंपनियों के बेहतर नतीजों ने भी निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है।

कच्चे तेल और ग्लोबल संकेतों का मिला सहारा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी घरेलू शेयर बाजार को समर्थन दिया। इसके अलावा शुरुआती गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी की, जिससे बाजार में तेजी और मजबूत हुई।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है भारत

FICCI के मंच से पीएम मोदी ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से आत्म-मंथन करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में योगदान देने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का आग्रह किया। यहां फिक्की (FICCI) की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कई वैश्विक संस्थाओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो देश के आर्थिक आधारों (fundamentals) में उनके भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर में भारत का निर्यात लगभग 550 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो किसी एक महीने में दर्ज किया गया वस्तुओं और सेवाओं का अब तक का सबसे अधिक निर्यात आंकड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मूडीज (Moody's), एसएंडपी (S&P), फिच रेटिंग्स (Fitch Ratings) और विश्व बैंक जैसी वैश्विक एजेंसियों ने भारत की विकास दर के अनुमानों को ऊपर की ओर संशोधित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि समय-समय पर आत्म-मूल्यांकन करना न केवल व्यक्तियों के लिए, बल्कि देश और उद्योगों के लिए भी जरूरी है। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे अगले दो दशकों के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय करें और यह पहचानें कि 2047 तक एक %विकसित भारत के निर्माण में वे कैसे योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में, जहाँ संसाधनों का इस्तेमाल रणनीतिक उपकरणों के रूप में किया जा रहा है, भारतीय उद्योग को ऐसे क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए जिनकी मांग राष्ट्रीय और वैश्विक, दोनों स्तरों पर मौजूद है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) को 100 साल पूरे होने पर बधाई देते हुए, प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने बदलते समय के साथ खुद को ढालने और भारत की आर्थिक यात्रा में योगदान देने के लिए संगठन की सराहना की। घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) के अवसरों पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने फार्मास्युटिकल क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भले ही भारत को वैश्विक स्तर पर एक फार्मास्युटिकल हब के रूप में पहचाना जाता है, फिर भी देश अरबों डॉलर मूल्य के एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (API) और इंटरमीडिएट्स का आयात कर रहा है। इसके अलावा, उन्होंने उद्योग जगत के लोगों से उन क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया, जहां घरेलू क्षमताओं को मजबूत किया जा सके और आयात पर निर्भरता को कम किया जा सके। प्रधानमंत्री ने देश के आर्थिक बदलाव का श्रेय भारत के युवाओं, किसानों, श्रमिकों और कारोबारी समुदाय को दिया। उन्होंने कहा कि इन सबके सामूहिक प्रयासों से विकास की गति तेज हुई है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ भारतीयों ने गरीबी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इसे देश की विकास यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति की गति दुनिया में सबसे तेज है, और जिस दर से लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, वह भी अभूतपूर्व है।

तांबा का भाव क्रैश

मुंबई, एजेंसी।

घरेलू शेयर बाजार में आज एयर-कंडीशनिंग और कूलिंग प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली। वोल्टास, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, ब्लू स्टार और एम्बर एंटरप्राइजेज के शेयरों में 7 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई। शेयरों में इस तेजी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में तांबे की कीमतों में आई भारी गिरावट है। इससे कंपनियों की कच्चे माल की लागत घटने और आने वाले समय में मुनाफे का मार्जिन बेहतर होने की उम्मीद बढ़ी है। कारोबार के दौरान वोल्टास का शेयर 6.6 फीसदी उछलकर 1,207.45 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। वहीं, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के शेयर में करीब 6 फीसदी की तेजी आई और यह 570.75 रुपए तक पहुंच गया। ब्लू स्टार के शेयर भी 5.5 फीसदी चढ़कर 1,708 रुपए के स्तर पर आ गए।

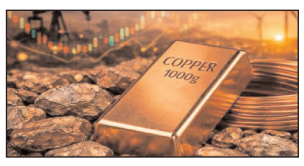
इसके अलावा क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स के शेयर में 4.7 फीसदी की तेजी आई और यह 216.75 रुपए तक पहुंच गया। एम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया का शेयर भी 3.6 फीसदी बढ़कर 6,451 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

सात महीने के निचले स्तर पर पहुंचा तांबा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तांबे की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। लंदन मेटल एक्सचेंज (LME) पर तीन महीने का कॉपर फ्यूचर 4.6 फीसदी गिरकर 12,471 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर आ गया। यह 7 अप्रैल के बाद इसका सबसे निचला स्तर है।

वहीं, घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर नवंबर डिलीवरी वाला कॉपर फ्यूचर 3.55 फीसदी गिरकर 1,232.10 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

विशेषज्ञों के मुताबिक, मजबूत अमेरिकी डॉलर और चीन की औद्योगिक मांग को लेकर चिंताओं ने तांबे की कीमतों पर दबाव बनाया है। चूंकि AC और कूलिंग प्रोडक्ट्स के निर्माण में तांबा प्रमुख कच्चा माल है, इसलिए इसकी कीमतों में गिरावट से कंपनियों को लागत के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।



हालांकि, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कंपनियों के वास्तविक मार्जिन पर इसका असर आगे देखने लायक होगा।

भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा लौटा नवंबर में लगाया 1.12 लाख करोड़ रुपए का दांव

मुंबई, एजेंसी।



भारतीय शेयर बाजार के लिए नवंबर का महीना शानदार साबित हो रहा है। पिछले कुछ महीनों से भारतीय बाजार से पैसा निकालने वाले विदेशी निवेशकों (FII) ने अब एक बार फिर भारत का रुख किया है। नवंबर में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 1.12 लाख करोड़ रुपए से अधिक की नेट खरीदारी की है। यह अब तक का सबसे बड़ा मासिक विदेशी निवेश है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़े शेयरों में गिरावट और भारतीय कंपनियों की बेहतर कमाई के चलते विदेशी निवेशकों का भरोसा फिर बढ़ा है।

नवंबर में रिकॉर्ड खरीदारी

NSDL और NSE के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में 1,12,095.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। इससे पहले सितंबर और अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने करीब 70,000 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। नवंबर की खरीदारी के बाद इस साल उनकी कुल नेट बिकवाली घटकर करीब 1.8 लाख करोड़ रुपए रह गई है।

दुनिया के बाजारों में भारत का प्रदर्शन बेहतर

विदेशी निवेश बढ़ने के साथ भारतीय शेयर बाजार में भी जोरदार तेजी आई है। नवंबर में निफ्टी 10 फीसदी से ज्यादा और सेंसेक्स करीब 11 फीसदी चढ़ा है। इसके मुकाबले ताइवान का बाजार 16 फीसदी बढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 9 फीसदी की तेजी रही। वहीं, नैस्डैक और निक्केई 7 फीसदी से ज्यादा चढ़े। दूसरी ओर, हैंग सेंग और शंघाई कंपोजिट में करीब 4 फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

क्यों बढ़ा विदेशी निवेशकों का भरोसा?

भारतीय बाजार में तेजी के पीछे कंपनियों की कमाई में सुधार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये की मजबूती जैसे कारण हैं। कच्चा तेल करीब 92 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं, डॉलर के मुकाबले रुपया 96.96 के निचले स्तर से सुधरकर 93.44 पर पहुंच गया है।

गोल्डमैन सॉक्स के मुताबिक, मजबूत घरेलू मांग और कंपनियों की बेहतर कमाई के दम पर 2027 तक निफ्टी 28,500 अंक तक पहुंच सकता है। इससे भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ने की उम्मीद है।

साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया,पहले टेस्ट में रबाडा ने 8 विकेट लिए, अफ्रीका WTC के टॉप पर पहुंचा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी।

साउथ अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में बांग्लादेश को 9 विकेट से हराकर 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में कगिसो रबाडा ने 72 रन बनाए और 8 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका को गुरुवार को 12 रन का टारगेट मिला था। इसे टीम ने 1.3 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत से अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) की पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अपने पिछले 18 टेस्ट में 16 जीत हासिल की हैं।

मैच में बने टॉप-2 रिकॉर्ड्स

बावुमा की कप्तानी में शुरुआती 16 टेस्ट में 14 जीत साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अपने पहले 16 टेस्ट में 14 जीत हासिल की हैं। इस मामले में वह टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में टॉप पर हैं।

इस सूची में बावुमा के बाद लिंडसे हसेट की 13 जीत हैं। बिल वुडफुल, स्टीव वॉ, रिकी पोंटिंग और बेन स्टोक्स के नाम 11-11 जीत है। लिटन टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा डिसमिसल करने वाले विकेट कीपर लिटन दास ने साउथ अफ्रीका की पहली पारी में 8 डिसमिसल (6 कैच और 2 स्टंपिंग) करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा 7 डिसमिसल का रिकॉर्ड वसीम बारी, बॉब टेलर, इयान स्मिथ, रिडले जैकब्स और जोशुआ डी सिल्वा के नाम था। पूरे टेस्ट (दोनों पारियों) में सबसे ज्यादा 11 डिसमिसल का संयुक्त रिकॉर्ड जैक रसेल (1995), एबी डिविलियर्स (2013) और ऋषभ पंत (2018) के नाम है।

बांग्लादेश ने 400 रन बनाए

टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी चुनी। टीम ने 101.2 ओवर में 400 रन बनाए। तंजिद हसन ने 108 गेंदों पर 67 रन बनाए, लेकिन टीम ने शुरुआती 3 विकेट सिर्फ 22 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद तौहीद हृदोय और लिटन दास ने जिम्मेदारी संभाली। हृदोय ने 227 गेंदों पर 137 रन बनाए, जबकि लिटन ने 179 गेंदों पर 120 रन की पारी खेली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 298 गेंदों में 206 रन जोड़े।



बाबा सिद्दिकी जैसा हाल कर देंगे... सैफ को मिली धमकी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी कथित तौर पर जीशान अख्तर के नाम से दी गई है, जो NCP नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक वांछित आरोपी है। अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने धमकी की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश कर रही है। अभिनेता सैफ अली खान को उनके फोन पर जीशान अख्तर के नाम से एक वॉयस मैसेज मिला, जिसमें कहा गया है कि उनका भी वही हश्र होगा जो बाबा सिद्दीकी का हुआ था।



हाफिज सईद की पार्टी को आतंकवादी कहकर फंसी पाकिस्तानी मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। हाफिज सईद के जमात-उद-दावा का राजनीतिक मोर्चा मानी जाने वाली पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (PMML) ने पार्टी को आतंकवादी और अवैध बताने पर पंजाब प्रांत की सूचना मंत्री अजमा बुखारी को बृहस्पतिवार को पांच अरब पाकिस्तानी रुपये का मानहानि नोटिस भेजा। पिछले सप्ताह पीएमएमएल ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को भी कानूनी नोटिस भेजकर पार्टी को आतंकवादी बताने वाली उनकी टिप्पणी वापस लेने और सात दिन के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की थी।

बालको की गौरवशाली विकास यात्रा से रूबरू हुए कंपनी के सेवानिवृत्त कर्मचारी

अतीत की सुनहरी यादें हुईं ताजी

सेवानिवृत्त कर्मचारियों-अधिकारियों ने कहा- बालको सिर्फ कार्यस्थल ही नहीं, बल्कि हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा भी रहा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

कुछ रिश्ते समय और दूरी से कभी कम नहीं होते। वर्षों तक बालको का हिस्सा रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अपने पुराने कार्यस्थल पर लौटना यादों, अनुभवों और भावनाओं से जुड़ने का एक विशेष अवसर बना। कोलकत्ता, पुणे, हैदराबाद सहित देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बालको संयंत्र का भ्रमण कर कंपनी की गौरवशाली विकास यात्रा और बदलते स्वरूप को करीब से देखा।



वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान और उनके साथ आत्मीय जुड़ाव बनाए रखने की परंपरा के तहत इस विशेष संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया। वर्षों बाद अपने पुराने कार्यस्थल पर पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने उन स्थानों का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने करियर के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और बालको की विकास यात्रा में अपना योगदान दिया था।

भ्रमण के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने स्मेल्टर, कास्ट हाउस, पावर प्लांट सहित संयंत्र की प्रमुख इकाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने संयंत्र में हुए तकनीकी बदलावों, आधुनिक मशीनरी, उन्नत सुरक्षा प्रणालियों, डिजिटलीकरण और उत्पादन क्षमता में हुई वृद्धि को देखा। विशेष रूप से एआई आधारित सुरक्षा तकनीकों और आधुनिक कार्यप्रणालियों ने उन्हें प्रभावित किया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने उन्हें बालको की वर्तमान उपलब्धियों, विस्तार योजनाओं और भविष्य की विकास यात्रा की जानकारी भी दी।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने वर्षों बाद संयंत्र पहुंचने पर खुशी व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बालको उनके लिए केवल एक कार्यस्थल नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पुराने कार्यस्थलों को देखकर उन्हें अपने सहकर्मियों, टीम और साथ बिताए पलों की याद आई। वहीं, आधुनिक तकनीकों, बेहतर सुरक्षा व्यवस्थाओं और विस्तारित संयंत्र को देखकर उन्हें गर्व महसूस हुआ। उन्होंने बालको प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सेवानिवृत्त कर्मचारियों और कंपनी के बीच भावनात्मक जुड़ाव को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह भ्रमण अतीत की सुनहरी यादों और वर्तमान की उपलब्धियों के बीच एक खूबसूरत सेतु बना। देश के अलग-अलग शहरों से पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए यह अपने पुराने साथियों और कार्यस्थल से दोबारा जुड़ने का यादगार अवसर रहा।

बालको अपने वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ मजबूत और आत्मीय संबंध बनाए रखने में विश्वास करता है। ऐसे आयोजन कंपनी की समृद्ध विरासत का सम्मान करने के साथ-साथ विभिन्न पीढ़ियों के बीच अनुभव, ज्ञान और प्रेरणा के आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करते हैं।

कर्मचारियों के लिए चेयरमेन अग्रवाल द्वारा घोषित 10 प्रतिशत ग्रांट से कर्मचारियों में खुशी- वी के धर

सेवानिवृत्त अधिकारी वी के धर ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, मैं मानव संसाधन विभाग में कार्य करता था। उस समय बालको में लगभग एक लाख टन उत्पादन होता था, जबकि आज कंपनी 10 लाख टन उत्पादन के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में चेयरमैन अनिल अग्रवाल द्वारा कर्मचारियों के लिए घोषित 10 प्रतिशत ग्रांट से कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। पहले की तुलना में संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था में भी काफी सुधार हुआ है।

बालको ने आज हमारी कल्पना से भी कहीं अधिक विकास किया-शरद गहरना

सेवानिवृत्त कर्मचारी शरद गहरना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, वर्ष 1977 में जब बालको अपने शुरुआती चरण में था, तब हमने यहां काम करना शुरू किया था। आज कंपनी ने हमारी कल्पना से भी कहीं अधिक विकास किया है। यहां कर्मचारियों को पूरी लगन और समर्पण के साथ काम करते देखकर विश्वास होता है कि यही लोग बालको को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे। संयंत्र में पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और चारों ओर हरियाली देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। मेरी कामना है कि बालको प्रबंधन भविष्य में भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए इस तरह के संयंत्र भ्रमण का आयोजन जारी रखे।

बालको में नवाचार सिखने को मिला-देवेंद्र अग्रवाल

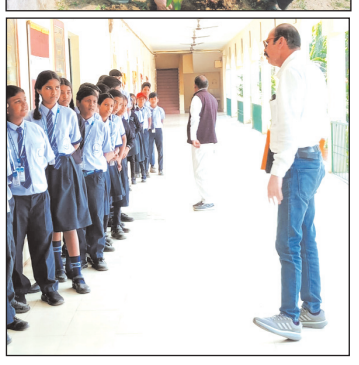
सेवानिवृत्त कर्मचारी देवेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया, मैंने वर्ष 1977 में बालको ज्वाइन किया था। कंपनी की विकास यात्रा के साथ हमें भी आगे बढ़ने और नए अवसरों पर काम करने का मौका मिला। विशेष रूप से रोलिंग मिल में नवाचार और नए कार्यों को सीखने के कई अवसर मिले। आज संयंत्र निरंतर प्रगति के साथ अधिक सुंदर और सुव्यवस्थित हो गया है। सुरक्षा और गुणवत्ता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

करतला बीईओ वर्मा ने किया नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी का निरीक्षण, विद्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण



कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।





गत 17 नवम्बर को नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद वर्मा का आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। विद्यालय की सुव्यवस्थित व्यवस्था, अनुशासित वातावरण एवं शैक्षणिक गतिविधियों को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद वर्मा ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने पौधारोपण को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने विद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दिखाई गई जागरूकता की विशेष प्रशंसा की। साथ ही कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियों के आयोजन से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी एवं सामाजिक चेतना का विकास होता है।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शोमा सोनी, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद वर्मा के आगमन, निरीक्षण एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा।

हेरिटेज इन की किचन में कॉकरोच एवं एक्सपायर्ड खाना मिला

बिरयानी राइस का सैंपल लैब भेजा, लाइसेंस सस्पेंड करने की सिफारिश, फूडियो रेस्टोरेंट 7 दिन के लिए बंद

कोरबा (दिव्य आकाश)।



कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित होटल हेरिटेज इन की किचन में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री और बड़ी संख्या में कॉकरोच मिले हैं। किचन में गंदगी और अव्यवस्था भी पाई गई। खाद्य विभाग की टीम ने जांच के दौरान बिरयानी राइस का सैंपल भी लिया है। इसके बाद खाद्य विभाग ने होटल का लाइसेंस सस्पेंड करने की सिफारिश की है।

वहीं, बालको भदरापारा की साहू जनरल स्टोर से सरसों तेल का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। टीपी नगर के फूडियो रेस्टोरेंट को भी गंदगी में खाना बनाने और साफ-सफाई नहीं रखने पर 7 दिन के लिए बंद करने का नोटिस दिया गया है।

होटल की किचन में गंदगी और कॉकरोच

दरअसल, त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद से खाद्य विभाग ने शहर के होटल, रेस्टोरेंट और किराना दुकानों की जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में विभाग की टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित होटल हेरिटेज इन का निरीक्षण किया। जांच के दौरान टीम को होटल की किचन में कई खामियां मिलीं। वहां एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री रखी हुई थी। इसके अलावा किचन में बड़ी संख्या में कॉकरोच भी मिले। अधिकारियों ने इसे खाने की गुणवत्ता और लोगों की सेहत के लिए गंभीर लापरवाही माना है।

जांच के दौरान टीम ने होटल से बिरयानी राइस का सैंपल भी लिया है। इसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। वहीं, किचन की खराब व्यवस्था को देखते हुए अधिकारियों ने होटल का लाइसेंस सस्पेंड करने की सिफारिश की है।

सरसों तेल में मिलावट की आशंका, दुकान से लिया सैंपल

खाद्य विभाग की टीम ने बालको भदरापारा स्थित साहू जनरल स्टोर की भी जांच की। यहां सरसों तेल में मिलावट की आशंका के चलते उसका सैंपल लिया गया। विभाग ने सैंपल को जांच के लिए लैब भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फूडियो रेस्टोरेंट को 7 दिन बंद रखने का नोटिस

इससे पहले 18 नवंबर को खाद्य विभाग की टीम ने टीपी नगर स्थित फूडियो रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया था। जांच में रेस्टोरेंट में साफ-सफाई की कमी और खाद्य सामग्री रखने के तरीके में गड़बड़ी मिली थी। अधिकारियों को रेस्टोरेंट में गंदगी मिली थी। इसके बाद संचालक को 7 दिन तक रेस्टोरेंट बंद रखने का नोटिस दिया गया।

टीपी नगर के होटलों में खाद्य विभाग की जांच

खाद्य अधिकारी विकास भगत ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम लगातार होटलों और दुकानों की जांच कर रही है। इसी कड़ी में टीपी नगर के दो बड़े होटलों और एक दुकान का निरीक्षण किया गया। एक होटल की किचन में काफी गंदगी और बड़ी संख्या में कॉकरोच मिले। इस पर विभाग ने कार्रवाई की है। जांच के दौरान खाद्य सामग्री के सैंपल भी लिए गए, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है।

75 किलो मिठाई भी कराई गई थी नष्ट

खाद्य विभाग की कार्रवाई में इससे पहले रिसदी रजगामार चौक स्थित एक होटल से 75 किलो खराब गुणवत्ता की मिठाई जब्त की गई थी। अधिकारियों ने मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया था। वहीं, कुछ दिन पहले कटघोरा के मुरली होटल के सांभर में कीड़ा मिलने और दर्री के एक होटल के सांभर वड़ा में फफूंद लगने का मामला भी सामने आया था।

होटल और रेस्टोरेंट में मिलने वाले खाने की क्वालिटी को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के बड़े होटलों के साथ छोटे होटल, ढाबों और सड़क किनारे लगने वाले फूड स्टॉल की भी नियमित जांच होनी चाहिए। सिर्फ नोटिस देकर छोड़ने के बजाय लापरवाही करने वाले संचालकों पर जुर्माना और कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

लोगों का कहना है कि खाने-पीने की चीजों में गंदगी, एक्सपायर्ड सामग्री और मिलावट सीधे लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में खाद्य विभाग को जांच अभियान लगातार जारी रखना चाहिए, ताकि लोगों को साफ और सुरक्षित खाना मिल सके।

कोरबा पहुंचे कवियों का अभिनंदन किया छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने



कोरबा (दिव्य आकाश)।

18 नवम्बर को घंटाघर स्थित अम्बेडकर ओपन थियेटर में हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में देर तक दर्शकों एवं श्रोतागणों ने हास्य और व्यंग्य कविताओं का आनंद लिया। कार्तिक शुक्ल नवमी (आंवला नवमी) की गुलाबी रात में कवियों ने श्रोताओं को जमकर हंसाया, गुदगुदाया। दर्शक दीर्घा से तालियों की गूंज दूर तक पहुंच रही थी। इसके पूर्व छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई ने कोरबा पधारे कवियों का अभिनंदन किया। कवि सम्मेलन में लब्धप्रतिष्ठत हास्य कवि एवं व्यंग्य कवि अखिलेश द्विवेदी (हास्य) प्रयागराज, मीर अली मीर-गीतकार रायपुर, पवन बांके बिहारी-हास्य पश्चिम बंगाल, प्रियंका मिश्रा-श्रृंगार कटनी, हीरामणी वैष्णव-हास्य कोरबा, शशिभूषण स्नेही-हास्य बिलाईगढ़ एवं कमलेश यादव धाकड़-हास्य बरमकेला आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। इन कवियों का अखबार वितरक संघ ने सम्मान किया और इस अवसर पर जिला इकाई के अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, सचिव जयसिंह नेताम, संरक्षक रेश्म साहू, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह, अनिल गिरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। कवियों ने अभिनंदन पर संघ का अभिवादन किया और कहा कि कोरबा आकर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA



आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

हंसी-ठहाकों, व्यंग्य बाण और श्रृंगार की कविताओं से गूंजता रहा ओपन थिएटर



कोरबा (दिव्य आकाश)।

हंसी के ठहाके, व्यंग्य के तीखे बाण, गीतों की मिठास और श्रृंगार रस की कविताएं... बुधवार की शाम निहारिका स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन एयर ऑडिटोरियम में साहित्य और मनोरंजन का खूबसूरत संगम देखने को मिला। मौका था अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन-2026 का, जहां देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को देर तक बांधे रखा।

कविता... जो दिल से दिल तक पहुंचे' की थीम पर आयोजित इस काव्य संध्या में कवियों ने हास्य, व्यंग्य, गीत और श्रृंगार की प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत कर दिया। कभी कविताओं पर जमकर ठहाके गूंजे तो कभी गीतों और भावपूर्ण रचनाओं ने श्रोताओं को भावनाओं से जोड़ा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आमंत्रित सभी कवियों का बैज लगाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके बाद मां सरस्वती का स्मरण करते हुए गीतकार मीर अली मीर ने अपनी प्रस्तुति के साथ काव्य सम्मेलन का शुभारंभ कराया।

कवि सम्मेलन में प्रयागराज के अखिलेश द्विवेदी ने हास्य कविताओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। रायपुर के गीतकार मीर अली मीर ने गीतों की प्रस्तुतियों से समां बांधा। पश्चिम बंगाल से पहुंचे पवन बांके बिहारी ने हास्य काव्य के जरिए माहौल में रंग भरा, वहीं कटनी की प्रियंका मिश्रा ने श्रृंगार रस की कविताओं से काव्य संध्या को खास बना दिया।

कोरबा के हिरामणी वैष्णव, बिलाईगढ़ के शशि भूषण स्नेही और बरमकेला के कमलेश यादव 'धाकड़' ने भी अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। कवियों की एक के बाद एक प्रस्तुतियों के साथ ओपन थिएटर देर तक तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा।

कार्यक्रम में महापौर संजू देवी राजपूत, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर के पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र पांडेय, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अमरजीत सिंह तथा जिला अध्यक्ष नरेंद्र मोदी विचार मंच सोनू पांडेय सहित अन्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही। अतिथियों ने भी पूरे काव्य सम्मेलन का आनंद लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर आमंत्रित कवियों को आयोजन समिति की ओर से महापौर के हाथों स्मृति-चिह्न भेंट करा कर सम्मानित किया गया। महापौर संजू देवी राजपूत को आयोजक परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। आमंत्रित अतिथियों का भी स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कोरबा प्रेस क्लब के संरक्षक कमलेश यादव, वरिष्ठ पत्रकार किशोर शर्मा, भारत विकास परिषद के महेश गुप्ता, नगर निगम के सचिव रामेश्वर कंवर, अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष विपेंद्र साहू सहित गणमान्यजन भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

पूरे आयोजन को सफल बनाने में राजेन्द्र जायसवाल, रंजन प्रसाद, पुरुषोत्तम दुबे और ओम गवेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन की सफलता में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आयोजन समिति ने आभार व्यक्त किया।

काव्य, हास्य, व्यंग्य, गीत और श्रृंगार से सजी यह शाम कोरबा के साहित्यप्रेमियों के लिए यादगार बन गई। कवियों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं की जोरदार तालियां और ठहाके पूरे आयोजन की सफलता की गवाही देते रहे।



स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com